पटना ● सोमवार, 27 मई 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः138 | www. bordernewsmirror@gmail.com | 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

गोवा में हरसिद्धि के चार मजदूरों ... 3 | www. bordernewsmirror.com | बॉलीवुड में एंट्री मारने वाली... 8

## अब राम मंदिर परिसर में वीआईपी भी नहीं ले जा सकेंगे मोबाइल

### राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक में लिया गया फैसला, लागू किए गए सख्त नियम

**अयोध्या (एजेंसी)।** अब आप राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन नहीं ले जा सकेंगे। मंदिर निर्माण समिति में फैसला किया गया है कि 25 मई से राम मंदिर परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर कड़ी पाबंदी होगी। यह नियम आम लोगों पर ही नहीं बल्कि वीआईपी के लिए भी लागू होगा। शुक्रवार को नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में राम मंदिर निर्माण समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें राम मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर व्यापक चर्चा की गई। मंदिर निर्माण समिति ने मंदिर निर्माण पूरा करने और परकोटा निर्माण की डेडलाइन भी तय कर दी है। राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के मुताबिक निर्माण कार्य की समीक्षा के बाद तय किया गया है कि दिसंबर 2024 तक मंदिर निर्माण का काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके अलावा मंदिर के चारों ओर परकोटा का निर्माण भी मार्च 2024 तक पूरा हो जाएगा। इस परकोटे के अंदर ही राम मंदिर समेत अन्य देवताओं के मंदिर भी आएंगे। डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि

श्रद्धालुओं के लिए क्लॉकरूम की सुविधा उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए ही मोबाइल बैन करने का फैसला किया गया है और यात्रियों को इसका सम्मान करना चाहिए। उन्होंने कहा, मंदिर परिसर के बाहर ही मोबाइल समेत अन्य कीमती सामान रखने की सुविधा उपलब्ध है। अब यात्रियों को व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करना है। उन्होंने बताया कि मंदिर के चारों ओर 14 फीट ऊंचा परकोटा बनाया जाएगा। चंपत राय ने बताया कि परकोटे के अंदर राम मंदिर के अलावा छह और मंदिर होंगे। इसमें भगवान शिव और हनुमान जी का मंदिर शामिल होगा। मंदिर परिसर में एक साथ 25 हजार लोग पहुंच सकेंगे। बता दें कि राम मंदिर का निर्माण नागर शैली में 2.7 एकड़ में किया गया है। इसकी ऊंचाई 161 फीट है। इस मंदिर में 392 पिलर हैं और 44 दरवाजे हैं। इस मंदिर में पांच हॉल हैं जिनका नाम नृत्य मंडप, रंग मंडप, शोभा मंडप, प्रार्थना मंडप और कीर्तन मंडप है। मंदिर के स्तंभों पर भी खूबसूरत नक्काशी की गई है। मंदिर का निर्माण तीन मंजिल तक होना है जिस पर काम अभी चल रहा है। 22 जनवरी को यहां 51 इंच ऊंची भगवान राम की प्रतिमा की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राण प्रतिष्ठा में हिस्सा लिया था। इसके अलावा इस मौके पर 8 हजार वीआईपी पहुंचे थे।

## प्रियंका गांधी बोलीं- मेरी शादी ठेठ पंजाबी परिवार में हुई है

● कहा-सास से पंजाबियत की बातें सीखीं, पीएम सोच रहे हैं देश की महिलाएं बेवकूफ

**पटियाला/फतेहगढ़ साहिब (एजेंसी)।** पंजाब में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि मेरी शादी ठेठ पंजाबी परिवार में हुई है। बंटवारे के बाद मेरे ससुर ने पंजाब में अपना कारोबार शुरू किया। मैंने सास से पंजाबियत की बातें सीखीं। मोदी जी की सरकार ने कुछ नहीं किया। जिसने अत्याचार किया, मोदी जी उसके साथ खड़े रहे। प्रधानमंत्री ये सोच रहे हैं कि इस देश की सभी महिलाएं बेवकूफ हैं। मैं इन्हें कुछ ही कहूंगा, ये मान लेंगी। प्रियंका गांधी गांधी फतेहगढ़ साहिब में लोकसभा उम्मीदवार डॉ. अमीर सिंह और पटियाला में लोकसभा उम्मीदवार डॉ. धर्मवीर गांधी के समर्थन में रैली करने आई थीं।

## पंजाब में राजनाथ सिंह बोले-पाकिस्तान भीख मांग रहा

● स्वाति मालीवाल पर केजरीवाल चुप क्यों,राहुल गांधी ने ठीक कहा-उनका सिस्टम दलितों-गरीबों के खिलाफ

**खन्ना (एजेंसी)।** वरिष्ठ भाजपा नेता और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पंजाब के फतेहगढ़ में एक जनसभा को संबोधित किया। यहां रक्षा मंत्री ने कहा कि डॉक्टर ने

उन्हें खड़े होने से मना किया है। उन्होंने उन्हें 7 दिन तक आराम करने की सलाह दी है। जब तक नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री नहीं बन जाते, तब तक वे आराम नहीं करेंगे। आम आदमी पार्टी सुप्रीमो पर हमला करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पंजाब के अलावा दिल्ली में भी आम आदमी पार्टी की सरकार है। शराब घोटाले में उनके नेता जेल गए। नेता में नैतिकता होनी चाहिए। अगर कोई आरोप है तो उसे तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए।

## नेतन्याहू के खिलाफ सड़कों पर फिर उतरे इजरायली

● सड़क पर निकाला विशाल जुलूस, पुलिस से खूनी झड़प

**तेल अवीव (एजेंसी)।** गाजा में हमास आतंकियों के खिलाफ जंग में उतरी इजरायली सेना एक तरफ कड़ा संघर्ष कर रही है। उधर, इजरायलियों की रक्षा कर पाने

में नाकाम पीएम बेंजामिन नेतन्याहू पर आम इजरायली भड़के हुए हैं। पिछले दिनों महिला इजरायली सैनिकों के वीडियो सामने आए थे, जिसमें दावा किया गया कि हमास आतंकियों ने इन महिला इजरायलियों के साथ हैवानियत की है। वीडियो सामने के बाद इजरायल में एक बार फिर नेतन्याहू के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़का हुआ है। राजधानी तेल अवीव पर हजारों की संख्या में इजरायली नेतन्याहू के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन करते नजर आए।

## '144' वाली गर्मी, सड़कों पर 'कर्फ्यू' जैसा नजारा

● फलोदी देश का सबसे गर्म शहर, तापमान 50 डिग्री पहुंचा
● महाराष्ट्र के अकोला में गर्मी के चलते धारा 144 हुई लागू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नौतपा का रविवार को दूसरा दिन था। मौसम विभाग ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, गुजरात के लिए हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है। नौतपा के पहले दिन, यानी 25 मई को राजस्थान में गर्मी से 5 लोगों की मौत हो गई। यहां पिछले 3 दिनों में 22 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य का फलोदी देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 50 डिग्री दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोगों को गर्मी से बचाने के लिए ट्रैफिक सिग्नल की टाइमिंग आधी की गई है। यानी जहां सिग्नल 60 सेकेंड रेड रहता था, वहां 30 सेकेंड ही रेड रहेगा। महाराष्ट्र के अकोला में 45 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। यह राज्य का सबसे गर्म शहर रहा। जिला कलेक्टर ने पब्लिक गैदरिंग रोकने के लिए शहर में धारा 144 लगाई है। मैदान से लेकर पहाड़ी इलाके तक लू की चपेट में हैं। राजस्थान के कई हिस्सों, एमपी-गुजरात में भीषण लू चल रही है।

## लापरवाही की 'आग', दो शहरों में 34 लोगों की मौत

### राजकोट गेम जोन में 28 तक पहुंचा मौत का आंकड़ा

**राजकोट (एजेंसी)।** गुजरात के राजकोट में शनिवार शाम 4.30 बजे टीआरपी गेम जोन में आग लगने से 28 लोगों की मौत हो गई। पहले 30 की मौत की जानकारी सामने आई थी। मगर एसपी क्राइम ने 28 की मौत की पुष्टि की। मृतकों में 12 बच्चे भी शामिल हैं। फायर ब्रिगेड की 8 टीमें करीब 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग बुझा पाईं। 25 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, गेम जोन से अंदर-बाहर जाने का एक ही रास्ता था। वहीं फायर डिपार्टमेंट से एनओसी भी नहीं ली गई थी। चश्मदीद के मुताबिक- कालावड रोड स्थित इस गेम जोन में वीकेंड की वजह से 500 रुपए का टिकट 99 रुपए में दिया जा रहा था, इसलिए भीड़ ज्यादा थी। टीआरपी गेम जोन के मालिक युवराज सिंह सोलंकी, पार्टनर प्रकाश जैन, राहुल राठौड़ और मैनेजर नितिन जैन को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। हादसे के बाद चारों ने फोन बंद कर लिया था। किराए की 2 एकड़ जमीन पर तीन मंजिला गेम जोन 2020 में बनाया गया था। इसका स्ट्रक्चर लकड़ी और टीन शेड पर खड़ा था। कई जगह रिपेयरिंग और रेनोवेशन का काम भी चल रहा था। एक जगह सीढ़ी पर वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी से ब्लास्ट हुआ और आसपास आग लग गई।

## दिल्ली के चाइल्ड हॉस्पिटल में आग, 6 नवजात की मौत

● 5 बच्चों का रेस्क्यू, आशंका-ऑक्सीजन सिलेंडर में ब्लास्ट के बाद लगी आग

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के विवेक विहार स्थित एक चाइल्ड हॉस्पिटल में शनिवार 25 मई देर रात आग लग गई। हादसे में 6 नवजात की मौत हो गई। 5 का रेस्क्यू किया गया है। दो मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर न्यू बॉर्न बेबी केयर सेंटर था। इसमें कुल 12 बच्चे भर्ती थे। दिल्ली फायर सर्विस चीफ अतुल गर्ग ने ने बताया कि अभी आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है। हालांकि, शुरुआती जांच में ऑक्सीजन सिलेंडर ब्लास्ट को आग लगने का कारण बताया जा रहा है। बेबी केयर सेंटर के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर अवैध ऑक्सीजन सिलेंडर रीफिलिंग का काम चल रहा था।

## शाहजहांपुर में बस पर डंपर पलटा, 12 लोगों की मौत

### ढाबे पर रुकी थी बस,तभी डंपर ने टक्कर मारी, बस सीतापुर से पूर्णागिरी जा रही थी

**शाहजहांपुर (एजेंसी)।** शाहजहांपुर में भीषण सड़क हादसे में बस सवार 12 यात्रियों की मौत हो गई। हादसा तब हुआ जब बस ढाबे पर खड़ी थी। पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मारी और बस पर पलट गया। हादसे में 10 यात्री घायल भी हैं। बस सवार यूपी के सीतापुर से उत्तराखंड में मां पूर्णागिरी मंदिर जा रहे थे। करीब 80 लोग सवार थे। हादसे के वक्त ज्यादातर यात्री बस के नीचे उतरे हुए थे। कुछ अंदर सो रहे थे। डंपर में गिट्टी लदी थी, टक्कर के बाद बस में गिट्टी भर गई। अंदर लोग फंस गए। हादसा शनिवार रात 11 बजे

के करीब हुआ। आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश कर रहे थे तभी पुलिस भी पहुंची। यात्री अंदर इस कदर फंसे हुए थे कि निकालना मुश्किल हो रहा था। कोई डंपर के नीचे तो कोई बस की सीट में फंसा हुआ था। हादसा देखकर पुलिस ने और फोर्स बुलाई। तुरंत क्रेन और जेसीबी को मंगवाया गया। तब जाकर डंपर और बस को अलग किया गया। करीब 5 घंटे तक चले रेस्क्यू में बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। घायलों को भर्ती कराया गया।

## कांस में पहली बार भारतीय फिल्म को ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड

**कांस (एजेंसी)।** शनिवार को 77वें कांस फिल्म फेस्टीवल के मंच पर यह कहते हुए इंडियन फिल्ममेकर पायल कपाड़िया ने समारोह का दूसरा सबसे प्रतिष्ठित अवॉर्ड हासिल किया। पायल की फिल्म 'ऑल वी इमैजिन एज लाइट' को यहां ग्रैंड प्रिक्स अवॉर्ड से नवाजा गया। इसके साथ ही पायल

● सम्मान पाने वाली पहली भारतीय निर्देशक बनीं पायल कपाड़िया, देश को मिले कुल 4 अवॉर्ड

यह अवॉर्ड अपने नाम करने वाली पहली भारतीय फिल्ममेकर बन चुकी हैं। फिल्म को कांस की सबसे प्रतिष्ठित कैटेगरी 'पाम डी'ओर' के अंतर्गत 23 मई को प्रीमियर किया गया था। इस कैटेगरी में यह 30 साल बाद सिलेक्ट होने वाली भारतीय फिल्म थी। इससे पहले 1994 में फिल्म 'स्वाहम' को इस कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया था। इससे पहले पायल कपाड़िया जब भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान पुणे में पढ़ती थीं तो 2017 में उनकी शॉर्ट फिल्म आफ्टरनून क्लाउड्स अकेली भारतीय फिल्म थी जिसे 70वें कांस फिल्म समारोह के सिनेफोंडेशन सेगमेंट में चुना गया था। इसके बाद 2021

में उनकी डाक्यूमेंट्री अ नाइट ऑफ नोइंग नथिंग को कांस फिल्म समारोह के डायरेक्टर्स फोर्टनाइट कैटेगरी में चुना गया था। इतना ही नहीं फिल्म को तब बेस्ट डाक्यूमेंट्री का गोल्डन आई अवॉर्ड भी मिला था। फिल्म की मुंबई में रहने वाली केरल की दो नर्स प्रभा और अनु के इर्द-गिर्द बुनी गई है।

## छपरा हिंसा के बाद एसपी गौरव मंगला पर ऐक्शन

● चुनाव आयोग की गिरी गाज,लालू की बेटी रोहिणी आचार्य की भी अब बढ़ेगी मुश्किलें!

**छपरा (एजेंसी)।** छपरा हिंसा में पुलिस मुख्यालय पटना ने बड़ी कार्रवाई की है। लोकसभा चुनाव के दौरान हुई हिंसा के बाद सारण के पुलिस अधीक्षक डॉक्टर गौरव मंगला का ट्रांसफर पुलिस मुख्यालय की ओर से कर दिया गया है। एसपी डॉक्टर गौरव मंगला को अगले आदेश तक योगदान की प्रतीक्षा में मुख्यालय में पदस्थापित किया गया है। वहीं नए एसपी के तौर पर आईपीएस डॉक्टर कुमार आशीष की पोस्टिंग की गई है। डॉ कुमार आशीष फिलहाल मुजफ्फरपुर रेल एसपी के पद पर तैनात है। 20 मई को सारण लोकसभा सीट पर मतदान के दौरान नगर थाना क्षेत्र के भिखारी चौक बड़ा तेलपा स्थित मतदान केंद्र पर रोहिणी आचार्य के पहुंचने के बाद हिंसा हुई थी।

## अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं सीएम योगी

**मिर्जापुर (एजेंसी)।** बांसगांव पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया गठबंधन पर बड़ा हमला बोला। पीएम ने कहा, कांग्रेस ने हमेशा देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा, आज हमारा देश ब्रह्मोस मिसाइल बना रहा है। वो दिन दूर नहीं जब यूपी

में भी ब्रह्मोस मिसाइल बनेगी। ब्रह्मोस मिसाइल ऐसी है जिसका खौफ दूर-दूर तक है। दुनिया के कई देशा में इस मिसाल की मांग रही है। लेकिन कांग्रेस को ये भी पसंद नहीं आया। जो देश भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदना चाहते थे, कांग्रेस सरकार ने उनके सामने भी रोड़े अटकाए। ये इंडिया गठबंधन वाले चाहते हैं भारत रक्षा क्षेत्र में न आत्मनिर्भर बने और न ही भारत में हथियार एक्सपोर्ट करने की क्षमता पैदा हो। विदेशों से हथियारों का सौदा होता रहे और कांग्रेस की दलाली चलती रही। सपा पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने माफियाओं को चेतावनी दी। पीएम मोदी ने कहा, योगी जी अच्छे-अच्छों की गर्मी उतारने में एक्सपर्ट हैं। उनके आने के बाद से यूपी का माहौल और मौसम दोनों बदल गया है। भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा को

● पीएम मोदी के निशाने पर सपा,माफियाओं को भी दी चेतावनी

संबोधित कर रहे पीएम मोदी ने कहा, हमारे यूपी में डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। देश का रक्षा निर्यात 21 हजार करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया है। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम ने लोगों से पूछा, डिफेंस कॉरिडोर बनाने वाली सरकार चाहिए या दिवाली वाली। दलाली करने वाली सरकार चाहिए। सपा-कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, इंडी जमात वालों की राजनीतिक का मकसद तुष्टिकरण है।

## संक्षिप्त समाचार

### शाहकुंड में भी सड़क किनारे सूखा है आम का पेड़, सुधि लेनेवाला कोई नहीं

**भागलपुर/शाहकुंड, एजेंसी।** शाहकुंड - अमरपुर स्टेट हाइवे 85 के किनारे प्रोजेक्ट स्कूल के पास वर्षों से आम का पेड़ सूखा हुआ है। जो आने - जाने वाली छात्राओं और यात्रियों के लिए खतरा बना हुआ है। इसके लिए वर्ष 2023 में वार्ड सदस्य हरिहर सिंह और ग्रामीण रवि रंजन द्वारा स्थानीय सीओ, वन विभाग एवं क्षेत्रीय विधायक से शिकायत की गई है, लेकिन आज तक इसकी सुधि कोई नहीं लिया। इसी सूखे पेड़ के नीचे से प्रतिदिन पैदल और साइकिल से सैकड़ों छात्राएं आतीं - जाती है, फिर भी इसकी कटाई नहीं की जाती। इस संबंध में राजस्व अधिकारी उज्जवल कुमार ने कहा कि मामले को सीओ के संज्ञान में दिया गया है। वे फिलहाल छुट्टी पर हैं, उनके आने के बाद ही कोई कदम उठाया जा सकता है।

### सबौर हाईस्कूल के समीप नवमी में नामांकन को लेकर हंगामा

**भागलपुर/सबौर , एजेंसी।** शनिवार को सबौर नगर पंचायत स्थित हाई स्कूल के समीप नवम क्लास में नामांकन को लेकर लगभग दो दर्जन से अधिक छात्रों ने हंगामा किया। छात्र बीआरसी में जाकर नामांकन को लेकर आवेदन दिया। सभी छात्र-छात्रा बरारी पंचायत के रानी तालाब एवं मीराचक क्षेत्र के रहने वाले थे। इस संबंध में सबौर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सह कार्यक्रम पदाधिकारी दिव्या श्री राय ने कहा कि छात्रों का नामांकन अन्य विद्यालय में हो गया है। लेकिन छात्र छात्रा अपने सुविधा को लेकर सबौर इंटरस्तरीय बालिका विद्यालय एवं हाई स्कूल सबौर में नामांकन कराने को लेकर आया था।विभाग से निर्देश मिला है कि इस तरह का मामला समयचीन प्रतीत होता है तो छात्र का नामांकन बीईओ अपने स्तर से दिलवा सकता है फिलहाल हम छुट्टी पर हैं सभी छात्रों से आवेदन ले लिया गया है। सोमवार को छात्रों द्वारा दिए गए आवेदन का अवलोकन कर नामांकन छात्र-छात्राओं का करवाया जायेगा।

### स्कूल में छापेमारी गैस पाइप जब्त

**भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी।** तीन दिन पूर्व दूध में कीड़ा मिलने के बाद बीमार पड़े छात्रों को लेकर नवगछिया के प्रेसीडेंसी पब्लिक स्कूल में छापेमारी की गई। अनुमंडल पदाधिकारी ने नवगछिया आपूर्ति पदाधिकारी के साथ तीन अन्य अधिकारी को भेज कर जांच करायी। जांच में आवासीय विद्यालय में छात्रों के खाना बनाने के लिए घरेलू सिलेंडर का उपयोग करते हुए मिला। जहां पर तीन सिलेंडर, दो नान सी रेगुलेटर और दो पाइप को जब्त किया गया है। प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सजल वत्स ने बताया कि हम लोगों के साथ इस्माईलपुर के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी ने जांचकी है।

# बिहार ने 39 सांसद दिए, फिर भी प्रधानमंत्री ने सौतेला व्यवहार किया: तेजस्वी यादव

**पटना, एजेंसी।** पूर्व उपमुख्यमंत्री और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दियारा क्षेत्र के पतलापुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बेड रेस्ट पर भेजकर ही हम रेस्ट लेने वाले हैं। बिहार ने 40 में से 39 सांसद दिया, इसके बावजूद प्रधानमंत्री ने बिहार के साथ सौतेला व्यवहार किया। प्रधानमंत्री नौकरी, गरीबी, महंगाई पर बात नहीं करते हैं। इस बार पाटलिपुत्र की जनता उनको सबक सिखायेगी।

अपनी बहन डॉ. मीसा भारती के पक्ष में चुनावी सभा करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि कमर में चोट लगने पर डॉक्टर ने तीन सप्ताह बेडरेस्ट करने को कहा था। लेकिन मैंने कहा कि जब तक चुनाव समाप्त नहीं हो जायेगा हम रूकने वाले नहीं हैं। पाटलिपुत्र से मीसा भारती जीतकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का हाथ मजबूत करेगी।

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमने 17 माह में नौकरी देने का काम किया। चाचा ने कहा था कि जो 14 में आए हैं 24 में चले जाएंगे। उसी काम में भतिजा लगा हुआ है। लेकिन भाजपा के लोगों ने चाचा को हाईजैक कर लिया। हमारी सरकार बनते ही एक करोड़ सरकारी नौकरी, बहनों को प्रति वर्ष एक लाख रुपये (यानी प्रतिमाह 8333 रुपये), 200 यूनिट बिजली मुफ्त, 10 किलो अनाज, 500 रुपये में गैस सिलेंडर मिलेंगे। साथ ही अग्निवीर योजना को समाप्त किया जायेगा। मौके पर राजद प्रत्याशी मीसा भारती, पूर्व मंत्री रामानंद यादव, केडी यादव समेत अन्य नेता थे। अध्यक्षता सत्यानंद यादव ने किया।

तेजस्वी यादव ने बिंद व चंडी की जनसभा में कहा कि आप (जनता) हमको वोट दीजिए, हम आपको नौकरी देंगे। विरोधियों पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि युवाओं का भविष्य खतरे में है। उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। आज युवाओं के हाथों में डिग्री तो है, लेकिन काम नहीं। बेरोजगारी का दंश झेलने को वे मजूबर है।

वहीं वीआईपी के प्रमुख मुकेश सहनी ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री वोट मांगने के लिए निकले हुए हैं। सभी भाषणों में वे तथ्यहीन बातें बोलकर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। वे बिहार को लेकर मुगालते में हैं। बिहार के लोग इस बार पीएम के झांसे में नहीं आने वाले हैं। वे शनिवार को भोजपुर, नालंदा और पटना में आयोजित सभाओं को संबोधित कर रहे थे।

# समस्तीपुर डीएम के निर्देश पर 16 प्रखंडों में औचक निरीक्षण: 37 पदाधिकारी और 84 कर्मचारी मिले गायब

### अब अनुशासनिक करवाई की जाएगी

**समस्तीपुर, एजेंसी।** समस्तीपुर डीएम योगेंद्र सिंह के निर्देश पर शनिवार को एक साथ अधिकारियों की टीम ने जिले के 16 प्रखंडों में औचक निरीक्षण किया। डीएम के निर्देश पर हुए इस औचक निरीक्षण में 37 प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी के अलावा 84 कर्मी कार्य से गायब मिले। डीएम के निर्देश पर हुए इस औचक निरीक्षण की जानकारी के बाद प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी के साथ ही कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। उधर, कल्याणपुर, खानपुर, पूसा एवं विभूतिपुर के वरीय पदाधिकारियों के डीएलएमसी के बैठक में रहने के कारण उच्क्त प्रखंडों में औचक निरीक्षण नहीं हो पाया। शेष सभी प्रखंडों में औचक निरीक्षण किया गया। बताया गया है कि प्रखंड स्तरीय कार्यालयों का औचक निरीक्षण संबंधित प्रखंड के वरीय पदाधिकारियों के द्वारा किया गया। औचक निरीक्षण सुबह 10 बजे पूर्वाह्न में शुरू किया गया और 11 बजे पूर्वाह्न तक चला। इस जांच में 37 प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी और 84 कर्मी अनुपस्थित पाए गए या विलंब से कार्यालय आए। इन अनुपस्थित या विलंब से आए कर्मियों पर जिला पदाधिकारी के द्वारा अनुशासनिक करवाई की जाएगी।

**बंद पाया गया कार्यालय :** जिला आपूर्ति पदाधिकारी सह वरीय पदाधिकारी वारिसनगर महमूद आलम के द्वारा बताया गया कि प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी

,वारिसनगर का कार्यालय पूर्वाह्न 11 बजकर 10 मिनट के बाद खुला। वहीं बाल विकास परियोजना पदाधिकारी वारिसनगर का कार्यालय पूर्वाह्न 10 बजकर 30 तक बंद पाया गया।

**कर्मियों में हड़कंप मच गया :** कार्यक्रम पदाधिकारी वारिसनगर अनुपस्थित पाए गए। इस औचक निरीक्षण से प्रखंड स्तरीय कार्यालयों के कर्मियों में हड़कंप मच गया। इसके अलावा समस्तीपुर, वारिसनगर, सरायरंजन, मोरवा, ताजपुर, पटोरी, मोहिउद्दीननगर , मोहनपुर, विद्यापतिनगर, दलसिंहसराय, उजियारपुर, रोसड़ा, हसनपुर, सिंघिया, शिवाजीनगर, बिथान प्रखंडों में औचक जांच की गई।

## गलगलिया के नो मेन्स लैंड पर तेज होगी गश्त:असामाजिक तत्वों और अवैध तस्करी पर लगेगी रोक

**किशनगंज, एजेंसी।** किशनगंज जिले के ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत स्थित गलगलिया थाना परिसर में गलगलिया थानाध्यक्ष और भारत नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर देश की सुरक्षा में तैनात एसएसबी 41वीं बटालियन निंबुगुरि बीओपी के निरीक्षक के बीच एक समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक अंतर्राष्ट्रीय व अंतराजकीय सीमा पर स्थित गलगलिया थाना परिसर में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने की। इस बैठक में मुख्य रूप से सीमांत क्षेत्र में अवैध गतिविधि, असमाजिक तत्वों, तस्करो, अवैध शराब कारोबारियों सहित अंतराष्ट्रीय सीमा पर संयुक्त गश्त करने की चर्चा की गई है। इन सब को लेकर सघन तलाशी अभियान सहित नो मैन्स लैंड पर संयुक्त रूप से गश्ती तेज किया जाना आदि बातें गलगलिया थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताई है। ज्ञात हो कि सीमांत इलाकों में गलगलिया पुलिस और एसएसबी 41वीं बटालियन के जवान अपनी पैनी निगाह बनाए हुए हैं। वहीं बैठक में उपस्थित एसएसबी 41वीं बटालियन निंबुगुरी बीओपी निरीक्षक बसंत लाल ने सुरक्षा व्यवस्था दुरस्त बनाए रखने सहित पुलिस और एसएसबी जवान संयुक्त रूप से सीमा पर गश्त करने की बात कही है। इस बैठक गलगालिया थाना के सभी पुलिस कर्मी और एसएसबी के कई जवान मौजुद रहे।

### थाना में समन्वय समिति की बैठक आयोजित

### ठाकुरगंज में चलती ट्रेन से युवक गिरा, इलाज में हुई मौत

**किशनगंज, एजेंसी।** किशनगंज जिले के ठाकुरगंज में चलती ट्रेन से एक युवक गिर गया। इस दौरान युवक बुरी तरीके से घायल हो गया। जहां स्थानीय लोगों के द्वारा रेल पुलिस ओर ठाकुरगंज थाना को सूचना दी गई। मौके पर रेल पलिस और ठाकुरगंज पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर तुरंत ही एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना के तुरंत ही बाद एंबुलेंस पहुंचकर घायल युवक को हॉस्पिटल ले जाया गया। जहां उसका इलाज किया गया। इस दौरान हालत गंभीर होने के कारण ठाकुरगंज से किशनगंज सदर अस्पताल भेज दिया गया। हालांकि अस्पताल के चिकित्सकों के द्वारा इलाज किया जा रहा था इस दौरान युवक की मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक युवक जब ट्रेन से गिरा तब बेहोश हो गया।

## युवक की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

**बीएनएम। बेतिया।** नरकटियागंज में वार्ड 15 के लोहा पट्टी में एक युवक की मौत हो गईं। मृतक की पहचान 28 वर्षीय गौरव कुमार केशरी के रुप में हुई। मृत युवक परिवार का इकलौता चिराग़ था। युवक की मौत से परिवार में मातम छा गया है। वहीँ परिवार जनों का रो रो कर बुरा हाल हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद दल बल के साथ पहुंचे एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह सहित शिकारपुर थानाध्यक्ष अवनीश कुमार ने मृत युवक के परिवार जनों से ममाले में जानकारी ली। परिजनों ने बताया की वाद विवाद को लेकर मुहल्ले के रहने वाले लोगों ने युवक से मारपीट की। शिकारपुर पुलिस ने मृत युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेतिया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया हैं।मामले में एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि सूचना मिली कि एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गईं हैं। सूचना के आलोक में घटना स्थल पहुंच मृत युवक के परिजनो से पूछताछ की गई और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। फिलहाल मृत युवक के परिजनों द्वारा आवेदन प्राप्त नहीं हुआ हैं। आवेदन मिलने के उपरांत मामले में कार्रवाई शुरु की जायेंगी।

## एलजेपीआर कैंडिडेट वीणा देवी का बड़ा आरोप-पिस्टल दिखाई, गाड़ी पर हमला किया, दर्ज कराई एफआईआर

**वैशाली, एजेंसी।** वैशाली लोकसभा चुनाव में शनिवार को पारू के चिंतामनपुर में एनडीए प्रत्याशी वीणा देवी को कुछ लोगों ने बूथ से थोड़ी दूरी पर घेर लिया। इसको लेकर जमकर हंगामा हुआ। इसकी सूचना पर बड़ी संख्या में अधिकारी और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हंगामा शांत कराया और मामले की जांच कर रही है। राजग प्रत्याशी वीणा देवी शाम करीब चार बजे चिंतामनपुर बूथ संख्या 87 पर जा रही थीं। बूथ से पहले ही उनकी गाड़ी को कुछ लोगों ने घेर कर बूथ पर जाने से रोका और नारेबाजी करने लगे। वीणा देवी व उनके गार्ड ने आपत्ति की। इस पर लोग बकझक करने लगे। इस हंगामे का वीडियो भी वायरल हुआ है। हालांकि हिन्दुस्तान इसकी पुष्टि नहीं करता है। वहीं वीणा देवी की ओर से बताया गया कि उनकी गाड़ी को घेरकर एक दल के समर्थकों ने हमला किया। उन्होंने हमलावरों के पास गमछे में हथियार छिपाकर रखने की आशंका भी जताई। इधर, एसएसपी कार्यालय से जारी बयान में कहा गया है कि चिंतामनपुर में वीणा देवी की गाड़ी को रोक कर हमला करने व पिस्टल दिखाने की अफवाह उड़ाई गई थी। जांच में हमला व पिस्टल दिखाने की बात गलत निकली। वहीं, स्थानीय लोगों ने कहा कि बूथ पर ईवीएम का एक बटन खराब होने की सूचना पर वीणा देवी ने ईवीएम बदलने को कहा। इसको लेकर वीणा देवी से लोगों की बकझक हुई। हालांकि, प्रशासन ने ईवीएम के बटन में खराबी की बात से इंकार किया है। एसएसपी राकेश कुमार के मुताबिक प्रत्याशी वीणा देवी एक ही बूथ पर बार-बार भ्रमण करने पहुंच रही थीं। इस वजह से कुछ मतदाताओं ने विरोध करते हुए उन्हें रोका।

# उमस भरी गर्मी का प्रकोप, बिहार के स्कूलों में 11 बच्चे बेहोश, केके पाठक के स्कूल टाइम पर सवाल

**पटना, एजेंसी।** बिहार में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। उमस भरी गर्मी में शनिवार को राज्य के अलग-अलग जिलों के स्कूलों में गर्मी से 11 बच्चे बेहोश हो गए। जिसमें मधेपुरा में पांच, दरभंगा में 2, कैमूर में 4 छात्र-छात्राएं शामिल हैं मधेपुरा के तीन स्कूलों में पांच बच्चे बेहोश हो गए। पांचो बच्चों की हालत में सुधार होने के बाद उन्हें घर भेजा गया है।

स्कूल के प्रधानाध्यापक के अनुसार गर्मी के कारण एक-दो बच्चे प्रतिदिन बेहोश हो रहे हैं। सदर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय धुरगांव हरिजन में शनिवार को दो छात्रों की तबीयत अचानक बिगड़ गयी। वहीं योगेन्द्र उच्च विद्यालय मुरहो के 10वीं कक्षा की छात्रा बेबी कुमारी की तबीयत अचानक विद्यालय में बिगड़ गयी। दरभंगा के अलीनगर में दो सरकारी विद्यालयों में एक छात्र और एक छात्रा मूर्छित हो गए। चिकित्सक से उपचार कराने के बाद दोनों को घर भेज दिया गया। पहली घटना मध्य विद्यालय तुमौल में हुई। वहीं, दूसरी घटना मध्य विद्यालय नरमा में हुई। कैमूर में शनिवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री रहा। उक्रमित मध्य विद्यालय पइयां के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार विद्यालय में 11 बजे बेहोश होकर गिर पड़े। उनके चेहरे पर पानी का छींटा मारकर उन्हें होश में लाए। अभी वह आंखें खोल ही रहे थे कि विद्यालय में तीसरी

कक्षा की छात्राएं रूबी कुमारी, प्रीति कुमारी व सोनाक्षी कुमारी तथा दूसरी कक्षा की छात्रा प्रिया कुमारी बेहोश हो गईं। शिक्षक छात्राओं की कक्षा में पहुंचे और उन्हें होश में लाने की कोशिश करने लगे।

इन छात्राओं के भी चेहरे पर पानी का छींटा मारकर होश में लाए। फिर उनके परिजनों को बुलाकर घर भिजवाया। प्रधानाध्यापक एवं छात्रों के बेहोश होने की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को मिली वह विद्यालय पहुंचने लगे और उनकी तबीयत के बारे में जानकारी लेने लगे। आसपास के विद्यालय के भी शिक्षक पहुंचने लगे। आपको बता दें गर्मी की छुट्टियों के बाद खुले स्कूलों की टाइमिंग पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने स्कूलों का समय सुबह 6 से दोपहर 12 बजे तक किया हुआ है।

# दुष्कर्म और हत्या के मामले में आरोपी को उम्रकैद की सजा, साक्ष्य के आभाव में पिता हुआ रिहा

**अररिया, एजेंसी।** अररिया व्यवहार न्यायलय के एडीजे-1 मनोज कुमार तिवारी ने स्पीडी ट्रायल के तहत पांच साल पहले दुष्कर्म कर चाकू से हमला कर हत्या करने के मामले में सजा सुनाई है। आरोप प्रमाणित होने पर एक आरोपी को अंतिम सांस तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। वहीं, आरोपी के पिता ग्यास उर्फ गयासुद्दीन को साक्ष्य के आभाव में रिहा किया गया है। सरकार की ओर से एपीपी राजा नंद पासवान ने बताया कि सजा पाने वाला 40 साल का आरोपी फकरुद्दीन पिता ग्यास उर्फ गयासुद्दीन ताराबाड़ी थाना क्षेत्र के सोगना गांव का रहने वाला है।

### फांसी की सजा की हुई थी अपील

उसके शरीर पर मकई का पत्ता डालकर ढककर भाग गया। इधर, जख्मी को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल लाया गया। बेहतर इलाज के अभाव में पीड़िता की मृत्यु हो गई। मौत के पहले इलाज के क्रम में पीड़िता ने बयान दिया था। इसके बयान के आधार पर आरोपी फकरुद्दीन और उसके पिता ग्यास उर्फ गयासुद्दीन के खिलाफ महिला थाना कांड संख्या 43/2019 दर्ज किया गया था। कोर्ट में सभी गवाहों ने घटना का पूर्ण समर्थन किया। गवाह के बयान से संतुष्ट होकर न्यायालय के न्यायधीश मनोज कुमार तिवारी ने आरोपी को दोषी पाया और सजा के बिंदु पर एपीपी राजा नंद पासवान ने ऐसा जघन्य अपराध करने पर आरोपी को फांसी देने की अपील की। वहीं, बचाव पक्ष के वरीय वकील मो मंजूर आलम और महिला वकील मेनिका कुमारी ने कहा कि झूठे आरोप में फकरुद्दीन को फंसाया गया है और फकरुद्दीन निर्दोष होते हुए भी इस मामले में पिछले चार साल 10 महीना और 12 दिनों से जेल सुरक्षा में बंद है। न्यायालय में दोषी पाए जाने के बाद फकरुद्दीन के लिए कम से कम सजा देने की गुहार लगाई गई।

इधर, दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद न्यायालय के न्यायधीश मनोज कुमार तिवारी ने आरोपी को धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वही, धारा 376 (2) के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसका मतलब है कि आरोपी पूरे जीवन भर जेल में ही रहेगा। अंतिम सांस तक वह जेल में रहेगा।न्यायलय के न्यायधीश मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि सभी सजा साथ-साथ चलेगी।

### इलाज के दौरान हुई थी महिला की मौत

इसे एसटी 230/ 21 में सजा सुनाई गई है। बताया गया है कि 06 मई 2019 को 11 बजे दिन में आरोपी फकरुद्दीन ने एक महिला को उसका पहचान पत्र और उसके स्वर्गीय पति का मृत्यु प्रमाण पत्र लेकर आने को कहा था। इसके बाद जब वह महिला गोला चौक पहुंची, तब आरोपी ने उसको टेंपो में बिठाया। साथ ही अररिया जीरोमाइल लेकर चला आया। उसने रास्ते में जब पूछा कि उसे लेकर कहा जा रहे हैं, तो आरोपी ने उससे कहा कि उसे लेकर वह दिल्ली जा रहा है। इस बात पर उसने आपत्ति जताया। इसके बाद आरोपी ने मृतका के मुंह पर कपड़ा बांध दिया और मटियारी चौक पर उसे टैंपो से उतार लिया। उसके बाद आरोपी ने मकई खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी ने महिला के बदन पर चाकू से कई बार हमला किया और यह सोचकर कि वह मर गई है।

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

संक्षिप्त समाचार

## डुमरिया घाट में किसान की गला रेत कर हत्या

**बीएनएम। मोतिहारी।** जिले के डुमरिया घाट थाना क्षेत्र में एक किसान की गला रेत कर हत्या करने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक डुमरिया घाट थाना क्षेत्र के डुमरिया गांव निवासी 55 वर्षीय जादो लाल सहनी है। मृतक के परिजन ने बताया कि जादो लाल कल दिन में वोट देकर घर आए और खाना खाने के बाद सो गए।शनिवार की शाम में घर से यह कह कर निकले कि वह गंडक नदी के दियरा में तरबूज काटने जा रहे रहे है लेकिन वे देर रात तक घर नहीं पहुंचे। परिजनो को लगा कि तरबूज के रखवाली के लिए वह खेत में ही रूक गये होंगेलेकिन रविवार की सुबह घर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर सड़क पर ही उनका साइकिल और खून से लथपथ शव पड़ा हुआ था। देखने ऐसा लग रहा है,कि किसी ने धारदार हथियार से उनका गला रेत कर हत्या कर दी है, जिसके बाद इसकी सूचना डुमरिया घाट थाना को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

## बिहार में आज अमित शाह दो और जेपी नड्डा तीन चुनावी सभा को करेंगे संबोधित

**बीएनएम। पटना।** लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान संपन्न होने के बाद एनडीए ने अब सातवें चरण में अपने प्रत्याशियों को जीताने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को बिहार में दो चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा काराकाट, आरा और नालंदा में चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज दोपहर 12:30 बजे काराकट लोकसभा क्षेत्र में आने वाले औरंगाबाद में स्थित नीमा स्पोटर्स ग्रांड में जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां से वह सासाराम के लिए रवाना हो जायेंगे। सासाराम लोकसभा क्षेत्र के कैमूर जिले में जगजीवन स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की जहानाबाद, आरा और नालंदा में चुनावी सभा होगी। जगत प्रकाश नड्डा 12:15 बजे जहानाबाद, भोजपुर के आरा में दो बजे और नालंदा जिला के बिहारशरीफ में 4:10 में जनसभा को संबोधित करेंगे।

# गोवा में हरसिद्धि के चार मजदूरों की हुई मौत, इलाके छाई सन्नाटा, परिजनों का बुरा हाल

## ब्रावो फार्मा के चेयरमैन राकेश पाण्डेय ने आर्थिक सहयोग करने की घोषणा की

- चार मजदूर गंभीर रूप से घायल
- एक की स्थिति नाजुक
- पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक राजेन्द्र राम

**बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि**

थाना क्षेत्र के मुरारपुर पंचायत के वार्ड नंबर 4 एवं गायघाट पंचायत के गायघाट घुटली वार्ड नंबर 10 के निवासी के निवासी चार मजदूरों की मौत घटनास्थल पर ही गोवा में हो गई तथा चार मजदूर गंभीर रूप से घायल बताये गए हैं। घायलों में एक मजदूर की स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार 15 दिन पहले मुरारपुर और गायघाट के आठ मजदूर गोवा में काम करने के लिए गए थे। गोवा जाने के बाद सभी मजदूर अपने परिजनों से हमेशा मोबाइल पर बात करते थे। इधर सूचना मिली कि 25 मई को आठों मजदूर काम करने के बाद रोड के किनारे बने टेंट में सोए हुए थे कि बेकाबू बस में ऑटो मजदूर को टेंट को रौंद दिया। जिसके कारण चार मजदूर की मौत घटनास्थल पर ही हो गई तथा चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल मजदूरो का इलाज सरकारी अस्पताल में कराया जा रहा है, घायल नरेश सिंह की स्थिति चिंता जनक बताई जा रही है। घटना के संबंध में बताई जा रही है कि मृतक मजदूरी करने गोवा के मडगांव जिला के कुदरौली में सफी शेख बिल्डर कंपनी में काम करते थे। 25 मई को रात्रि और आनियंत्रित पंपों कंपनी का बस टेंट में सोए हुए 8 मजदूरों को रौंदते हुए निकल गया। जिसमें चार मजदूरों की मौत घटना स्थल पर ही हो गई। मृत मजदूरो में अनिल महतो उम्र 25 वर्ष पिता महेंद्र महतो, गायघाट पंचायत के घटुली निवासी वार्ड नंबर 10 के विनोद सिंह उम्र करीब 32 वर्ष पिता गिरिजा सिंह, गायघाट घटुली निवासी वार्ड नंबर 10 के ही रमेश महतो उम्र करीब 30 वर्ष पिता शिवनाथ महतो, मुरारपुर पंचायत के वार्ड नंबर 4 निवासी राजेंद्र महतो उम्र करीब 25 वर्ष पिता नरसिंह महतो शामिल हैं। घायलों में दिनेश सिंह उम्र करीब 26 वर्ष पिता सुरेश सिंह, राजेंद्र महतो उम्र करीब 31 वर्ष पिता मदन महतो, टुन्नी महतो उम्र करीब 24 वर्ष पिता विक्रम महतो, नरेश सिंह उम्र करीब 46 वर्ष पिता दुखन सिंह सभी गायघाट घटुली और मुरारपुर निवासी बताए गए हैं, सभी मजदूर की आर्थिक स्थिति दयनीय है। जिसके कारण अपने परिवार के भरण पोषण के लिए गोवा में रहकर मेहनत मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। घटना की खबर इलाके आग की तरह फैल गया। चारों तरफ से चीखने चिल्लाने की आवाज आने लगी सभी मृतक शादीशुदा व्यक्ति हैं। सभी के पास बेटे-बिटिया हैं, माता-पिता है उनके मरने के बाद चारों का परिवार अनाथ हो गया। बच्चों के सर से पिता का साया चला गया। कुछ बच्चे ऐसे हैं कि उनके पिता की मौत की संबंध में जानकारी ही नहीं है, मां रो रही है तो बेटे आंख फाड़ कर अपनी मां की तरफ देख रहे हैं। उनको पता ही नहीं कि मेरे पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। पुष्टि करते हुए थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त हुई है। उसका सत्यापन कराया जा रहा है, आगे की कार्रवाई शव आने के बाद किया जाएगा, शव को पोस्टमार्टम करा कर गोवा पुलिस परिजनों को सौंप देगी। वहीं ब्रावो फाउंडेशन के चेयरमैन राकेश पाण्डेय ने पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग करने की घोषणा किया है।इधर पूर्व विधायक राजेन्द्र राम पीड़ित परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदना जताते हुए ढांढस बंधाया।

# लोकसभा चुनाव परिणाम भारत के भावी भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होगा

## मतदान बीतने के साथ ही जीत - हार के लगाये जाने लगे कयास

- जन चर्चाओं के मुताबिक लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण और मजबूत दलीय सांगठनिक ढांचे के कयास भ्रामक साबित होंगे

**बीएनएम। सुगौली**

लोकसभा के छठे चरण का मतदान संपन्न होने के दूसरे दिन चौक चौराहों पर लोगों में प्रत्याशियों के जीत हार को लेकर चर्चाओं का बाजार जोरों पर है। पश्चिम चम्पारण लोकसभा सीट पर चुनाव आयोग के आंकड़ों के आधार पर 59.75प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मतों का प्रयोग किया।बताया जा रहा है कि वर्ष 2019के आम चुनाव में वर्तमान सांसद डॉ जायसवाल को 6लाख 3 हजार 706मत मिले थे जो कुल मतदान का 62.4फीसदी वोट दर्ज किया था तो वहीं उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के ब्रजेश कुशवाहा 3लाख 9हजार 800वोट लेकर दूसरे स्थान पर रहे थे।जिसका कुछ प्रतिशत 30.6रहा। गौरतलब है कि पश्चिम चम्पारण लोकसभा सीट से तिकड़ी जमा चुके भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व वर्तमान सांसद डॉ संजय जायसवाल हैं जिनके सामने सांसद प्रत्याशी के तौर पर चुनौती पेश कर रहे कांग्रेस

के बेतिया विधानसभा के पूर्व विधायक मदन मोहन तिवारी। कांग्रेस के पूर्व विधायक मदन मोहन तिवारी के कांग्रेस द्वारा लोकसभा का प्रत्याशी बनाए जाने के बाद से क्षेत्र में जातिय समीकरण की चर्चा जोरों पर होने लगी थी। यहां बताते चलें कि पश्चिमी चंपारण लोकसभा सीट में मुस्लिम,ब्राह्मण, कुर्मी, कुशवाहा तथा वैश्य जातियों की बहुलता वाले इस लोकसभा सीट पर एक तरफ कांग्रेस प्रत्याशी श्री तिवारी की जीत का दारोमदार मुस्लिम-यादव - ब्राह्मण तथा वर्तमान सांसद से असंतुष्ट मतदाताओं समीकरण पर टिका है तो वहीं चौथी पारी के लिए मैदान में डटे डॉ जायसवाल के जीत का आधार भाजपा के बूथ लेवल तक मजबूत सांगठनिक ढांचे, भाजपा के परंपरागत हिंन्दु वोट और प्रधानमंत्री मोदी के चेहरा है। मतदान बाद जन चर्चाओं पर गौर करें तो लोग इस बात को शिद्दत से तरजीह दे रहे हैं कि राष्ट्रीय स्तर के आम चुनाव और विधानसभा चुनाव की परिकल्पना में भारी अंतर होता है। वहीं लोगों का कहना है कि शिक्षा के प्रसार तथा रोजगार के लिए लोगों के दूसरे प्रदेशों में जाने के कारण भी आम जनता की सोच में गुणात्मक बदलाव आया है।लोग ये मान रहे हैं कि बीते दस वर्षों में भारतीय राजनीति का स्वरूप राष्ट्रनीति में परिवर्तित हो गया है और एक नये राजनीतिक कार्य संस्कृति का उदय हुआ है। जिसमें अब आम आदमी लोक सभा के चुनाव में स्थानीय मुद्दों पर अधिक राष्ट्रीय मुद्दों को तरजीह देने लगा है। इसलिए लोकसभा चुनाव में बेशक राजनीतिक दल जातीय समीकरणों और सांगठनिक मजबूती की बात करें लेकिन पूरे चुनाव में मतदाताओं का पूर्व की तरह मुखर नहीं होना इन सभी कयासों पर पानी फेर सकता है। मतदाताओं का ये भी कहना है कि लोकसभा चुनाव का परिणाम भारत के भावी भविष्य के लिए मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

## चुनाव कराने गए कर्मी की तबियत बिगड़ी, इलाज के क्रम में मुजफ्फरपुर में निधन

**बीएनएम। मोतिहारी/हरसिद्धि**

थाना क्षेत्र के कनछेदवा पंचायत के कनछेदवा निवासी 55 वर्षीय शिक्षक युगल किशोर हाजरा की शनिवार को चुनाव ड्यूटी के क्रम अचानक तबियत खराब हो गई जिसका इलाज के क्रम में मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल में हो गई। मृतक शिक्षक युगल किशोर हजरा लोकसभा चुनाव के लिए नागदाहा पंचायत के बूथ संख्या 85 पर मतदान कर्मी के रूप में तैनात थे। शिक्षक मतदान समाप्त होने के बाद ईवीएम मशीन को लेकर ब्रज गृह एम एस कॉलेज पहुंचे और उसके थोड़े देर बाद ही उनको अचानक अधिक पसीना होने लगा। उसके बाद माथे और सीने में दर्द की शिकायत हुई, जिसको लेकर उनके सहयोगी शिक्षकों ने सदर अस्पताल मोतिहारी इलाज के लिए ले गए, जहां डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया। 26 मई के सुबह इलाज के क्रम में मुज्जफरपुर में

उनकी मौत हो गई। बताया गया है कि शिक्षक युगुल किशोर हाजरा की पत्नी प्रभादेवी पंचायत समिति सदस्य है। युगुल किशोर हाजरा की मौत की खबर जैसे ही गांव तक पहुंची तो चारों ओर शोक की लहर दौड़ गई। मृतक युगुल किशोर हजरा ईमानदार कर्तव्यनिष्ठ एवं समाज सेवी व्यक्ति थे, उनके दो पुत्र दो पुत्री है, एक पुत्री का विवाह कर चुके हैं और एक पुत्री और दो बेटे अभी विवाह से वंचित हैं। इधर प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों समाजसेवी एवं शिक्षको ने पहुंचकर पीड़ित परिवार को संतावना दिया तथा श्रद्धांजलि अर्पित किया।

## लोक सभा चुनाव में राम मंदिर का मुद्दा रहा गौण, जातिवाद रहा हावी

**बीएनएम। मोतिहारी**

पूर्वी चंपारण लोक सभा क्षेत्र से 12 प्रत्याशियों के भाग्य का पिटारा मतदाताओं ने कल ईवीएम में बंद कर दिया। मुकाबला सीधे तौर पर दो प्रत्याशी के बीच है। एनडीए के प्रत्याशी सह निर्वतमान सांसद राधामोहन सिंह व महागठबंधन के प्रत्याशी डॉ राजेश कुमार के बीच आमने सामने की लड़ाई है। चुनाव में राम मंदिर का मुद्दा गौण रहा। जातिपाती पूरी तरह हावी दिखा। कुशवाहा और मल्लाह जाति पहली बार एकजुटता दिखाई है। जैसा की क्षेत्र में आम लोगो से बात करने से पता चलता है। स्वर्ण जाति एनडीए की ओर एकजुट होने का प्रयास किया, लेकिन अंत में टूट दिखी। हालाकि ऐसा सब चुनाव में होता रहा है। पहली बार चुनाव में यादव बुद्धिमानी का परिचय दिया है। वे भी महागठबंधन के प्रत्याशी को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ा है। मुस्लिम वर्ग के बुद्धिजीवियों का झुकाव एनडीए के तरफ दिखा, लेकिन जमात उनकी एक नहीं सुनी है। अनुसूचित जाति के दुसाध और मुसहर एनडीए की ओर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने से पीछे नहीं हटे है। चुनाव समाप्त होते ही एनडीए और महागठबंधन के समर्थक देर तक पार्टी कार्यालय में बूथ वार वोट का आंकड़ा लेने में जुटे रहे। दोनो अपने अपने प्रत्याशी को जीतने का दावा कर रहे है। एक प्रत्याशी के समर्थक 102000 वोट से अपने प्रत्याशी को जिताने का दावा कर रहे है तो दूसरी पार्टी के लोग अपने प्रत्याशी को 2 लाख से ऊपर वोट से जीत का दावा कर रहे है। नतीजा 4 जून को आयेगा। क्योंकि उसी दिन मतगणना होनी है। देखिए किसके सर पर अबकी बार मुकुट चढ़ता है।

नौकरी ! बिहार के लिए सुनहरा अवसर नौकरी !!

PS BAJAJ FINANCE WHOLESALE MARKET

प्रियांशु बाजाज

Managing Director

फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड

बिहार में कुल रिक्त 640 सीट (लडके तथा लड़कियों के लिए)

| S.No. | Position | Qualification | No. of Possession | Pay Scale |
|---|---|---|---|---|
| 1. | Branch Manager | Graduation | 40 | 30,000 – 35,000 |
| 2. | Finance Manager | Graduation / Intermediate | 40 | 25,000 – 30,000 |
| 3. | Insurance Manager | Graduation / Intermediate | 40 | 25,000 – 30,000 |
| 4. | Branch Accountant | I.Com / B.Com with Computer Knowledge | 40 | 20,000 – 25,000 |
| 5. | Filed Officer | 10th / 10th +2 | 160 | 15,000 – 20,000 |
| 6. | Store Keeper | 10th | 80 | 15,000 |
| 7. | Delivery Boy | 10th | 160 | 10,000 + Commission |
| 8. | Supervisor | Graduation with Computer Knowledge | 40 | 20,000 – 25,000 |
| 9. | Security Guard | Retired Home Guard Officer | 40 | 10,000 |
| 10. | Distributer | Minimum 8th Passed | We will Provide loan of Rs. 5Lakh - 10 Lakh rupees. | 10,00000 |
| 11. | Peon | Minimum 8th Passed | 40 | 10,000 – 15,000 |

नोट - ऑनलाइन फॉर्म फइल करने के लिए https://psbajajholselemarket.in/career पर जाए । अधिक जानकारी के लिए हमारे हेल्पलाइन न० – Whatsapp - +91 8755711350 पर संपर्क करे।

Mobile No - +91 7324818096

*नियम एवं शर्ते लागु

PS BAJAJ FINANCE WHOLE SALE Market QUALITY MATTERS

प्रियांशु बाजाज

नौकरी नौकरी

फाइनेंस होल सेल मार्केट लिमिटेड

Contact No.- 8755711350, 7324818096

https://psbajajholselemarket.in/career

## संक्षिप्त समाचार

### फिसलकर गिरने से नुकीला लकड़ी गले में हुई आरपार ,व्यक्ति की मौत

**बीएनएम। बगहा।** वाल्मीकिनगर स्थित लक्ष्मीपुर गांव में शनिवार की दोपहर एक व्यक्ति नहाने के बाद भीगे कपड़े को सुखाने के क्रम में पैर फिसल जाने से नजदीक में रखी लकड़ी गर्दन में घुस गई । घायल व्यक्ति लक्ष्मीपुर निवासी 45 वर्षीय बेचन महतो के रूप में हुई है।प्राप्त सूचना के अनुसार उक्त व्यक्ति मतदान करने जाने से पूर्व घर में स्नान करने के बाद कपड़ा सूखने को डालने जाने के क्रम में पैर फिसलने से गिर पड़ा। जिससे पास में रखा एक नुकीला लकड़ी उनके गर्दन में घुस गया । आनन फानन में परिजनों के द्वारा घायल को पास के निजी क्लीनिक में ले गए ।जहां जांच के बाद डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस घटना से परिजनों सहित ग्रामीणों में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। इस घटना की पुष्टि गांव के गुमास्ता दिलीप ने करते हुए बताया कि नहाने के बाद गिरने से हो गई।

### सेवानिवृत न्यायाधीश राजूल भार्गव सनातन धर्म जागरण मंच का राष्ट्रीय विधिक सलाहकार परिषद् प्रमुख मनोनीत

**बीएनएम। पटना।** अखिल भारतीय सनातन धर्म जागरण मंच के अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख शिवकुमार सिंह ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के सेवानिवृत न्यायाधीश राजूल भार्गव को सनातन धर्म जागरण मंच का राष्ट्रीय विधिक सलाहकार परिषद् प्रमुख मनोनीत किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख श्री सिंह के निर्देश पर राष्ट्रीय मातृत्व शक्ति प्रमुख अंजू सिंह राजपूत ने दिल्ली की समाज सेविका रूपा पांडे को मंच के दिल्ली प्रदेश मातृत्व शक्ति प्रमुख बनाया है। मंच के मीडिया प्रमुख एवं पीठाधीश्वर स्वामी श्यामानंद जी महाराज ने अंतर्राष्ट्रीय प्रमुख के हवाले से यह जानकारी देते हुए बताया कि मंच की राष्ट्रीय कमेटी ने इन दोनों पदाधिकारी के मनोरंजन पर हर्ष व्यक्त किया है।

# फेनहरा में मनरेगा पदाधिकारी एवं मुखिया के द्वारा फर्जी अटेंडेंस बनाकर हो रहा हैराशि का उठाव

- फेनहरा प्रखंड में चल रही मनरेगा की योजनायें, महज खानापूर्ति मुखिया एवं समिति के साथ मिल कर मानरेगा अधिकारी कर रहे है खुलेआम राशि की बंदरबाँट
- मनरेगा योजना में मजदूरी कर रहे मजदूर में भी गजब की है स्टैमिना, एक ही में दो-दो योजना पर एक साथ करते हैं कार्य, एनएमएमएस पर की गई अपलोड

**एनएमएमएस ऐप से बनाई गई अटेंडेंस अपलोड की गई तस्वीर से खुली है योजनाओं में की जा रही लूट की पोल**

**बीएनएम। पताही। अभिराम कुमार**

जिला प्रशासन चुनाव मे व्यस्त थे, तो ईधर फेनहरा प्रखण्ड के मनरेगा योजनवों में फर्जी अटेंडेंस बनाकर राशि का उठाव कर बंदरबाँट खुलेआम हो रही है और संबंधित पदाधिकारी आँख बंद कर महज अपने कमिशन की राशि के लालच मे सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना की ऐसी की तैसी कर रहे है। बता दे फेनहरा में 3, खान पीपरा मधुबनी में 1, रुपौलीया में 2, योजना टोटल 6 योजना में बरती जा रही है अनियमितता तकरीबन कई लाखों से अधिक की बताई जा रही है और इस घोटाले के चलती गंगा मे मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी, पंचायत रोजगार सेवक, पंचायत समिति सदस्य एवं पंचायत के मुखिया सभी खूब नहा रहे है। वावजूद इसके कि मनरेगा योजना में की जा रही लूट खसोट को रोकने के लिए सरकार द्वारा तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे है। यह योजना मजदूरों के लिए महज हाथी का दांत साबित हो रहा है। ताजा मामला फेनहरा प्रखंड के फेनहरा, खान पिपरा मधुबनी, एवं रूपौलिया पंचायत का है। इन पांच पंचायत मे चल रही मनरेगा योजना के तहत 6 योजना पर कार्य चल रहा है। सभी योजना में मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी एवं तीन के मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवं पंचायत में कार्यरत पंचायत रोजगार सेवक के मिलीभगत से सरकार की करोड़ों रुपया घोटाले करने में जुटे हुए हैं। इन लोगों द्वारा की जा रही लूट की साक्ष्य एनएमएमएस पर अपलोड की गई तस्वीरों मे देखा जा सकता है। एनएमएमएस पर अपलोड की गई तस्वीर में स्पष्ट तौर पर दिख रहा है

कि एक ही मजदूर को एक ही समय में दो दो योजना पर लगाया गया दिखाया जा रहा है। ऐसा नहीं की अधिकारी इसको देख नहीं पा रहे है बल्कि सिक्कों की चकाचौंध से उनकी आंखे चौधियाई प्रतीत होती है। यह पढ़कर आपको अटपटा लग रहा होगा। बता दे कि मनरेगा में एनएमएमएस एप पर अपलोड की गई फोटो और अटेंडेंस के माध्यम से मनरेगा में जिस भी योजना पर काम हो रहा होता है, उसकी लाइव अटेंडेंस भेजनी होती है। इन सभी योजनाओं पर फर्जी तरीके से अटेंडेंस बनाकर पैसे का उठाव कर सरेआम बंदरबन किया जा रहा है। लेकिन संबंधित अधिकारी मौन है। वही इस संबंध में मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी आलोक नाथ झा के द्वारा वही पुरानी बातें योजना को जांच कर शून्य कर दिया जाएगा। जानकारों ने बताया कि जिस तरह हाथी के दांत खाने के लिए और दिखाने के लिए और होता है उसी तरह पदाधिकारियों द्वारा यह कह दिया जाता है कि योजना जीरो तो कर दिया गया, लेकिन होता नहीं है और पैसे की निकासी कर बंदरबांट कर लिया जाता है। मास्टर रोल में अंकित लेबर की सूची की जांच एवं एनएमएमएस पर अपलोड की गई तस्वीर की पहचान कराई जाए तो इसकी पोल खुल जाएगी और मुखिया एवं पंचायत रोजगार सेवक के मिलीभगत से की जा रही लूट का पर्दाफाश हो जाएगा। अगर निष्पक्ष जांच हुई तो यह सरकारी राशि के गवन का सबसे बड़ा घोटालों का मामला उजागर होगा।

# विद्युत पोल तोड़े जाने से ग्रामीणों ने कनीय अभियंता से किया शिकायत

**बीएनएम। बगहा**

गहा के चंपापुर गोनौली पंचायत के गोरार गांव के ग्रामीणों ने खेत में कृषि कार्य के लिए लगाए गए विद्युत पोल को गांव के ही मुन्ना महतो पिता नागेंद्र महतो ने करीब 5 पोल को ट्रेक्टर से तोड़ गिरकर तोड़ दिया है।इस मामले मे ग्रामीणों ने रविवार को नॉर्थ पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के शाखा वाल्मीकिनगर स्थित कार्यालय में आवेदन दे कर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की गुहार कनीय अभियंता से लगाई है।

ग्रामीणों ने अपने आवेदन में लिखा है की होली पर्व के एक दिन पूर्व मुन्ना महतो द्वारा कृषि कार्य के लिए खेतों में लगाए गए 11000 वोल्ट के पांच बिजली के पोल को तोड़ दिया था।जिससे विद्युत आपूर्ति ठप हो गई है।विद्युत आपूर्ति ठप होने से किसानों के दर्जनों एकड़ खेत में लगे गन्ना की फसल पानी के अभाव में सुख गए।वहीं अब खरीफ के फसल लगाने का समय आ गया है। जिससे किसान परेशान हैं। किसानों ने विद्युत विभाग के कनीय अभियंता से इस मामले को संज्ञान ले उचित कार्रवाई की गुहार लगाई है।इस बाबत गांव के गुमास्ता महतो ने बताया कि पोल तोड़ने की सूचना वाल्मीकिनगर थाना और विद्युत संवेदक को देदी गई थी। परंतु अब तक कोई निदान और कार्रवाई नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव के सरेह में पानी पटवन का एक मात्र जरिया ट्यूब बेल ही है। इस मौके पर दर्जनों ग्रामीण जिसमें दिलीप कुमार चौधरी, भगवान महतो, सुरेंद्र प्रसाद, नरेश कुमार, तमु महतो, रामचंद्र चौधरी, राम नारायण चौधरी, तुलसी महतो, ओम प्रकाश महतो सहित अन्य मौजूद रहे।

# भोजपुर में गरजे जेपी नड्डा, लालू, राहुल पर साधा निशाना, तेजस्वी को कहा ये तो बच्चा है

**बीएनएम। आरा**

भोजपुर जिले के शाहपुर में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी चुनावी सभा में पहुंचे। जहां भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव पर जमकर हमला बोला। जेपी नड्डा ने कहा कि मैं आप लोगों से प्रश्न पूछना चाहता हूं। क्या आप लालटेन युग में जाना चाहते है। ये लालू का लालटेन युग याद है ना। राजद का मतलब जानते है आप लोग, R का मतलब रिश्वतखोर राष्ट्रविरोधी J का मतलब हुआ जंगलराज और D का मतलब हुआ दल दल। यह रिश्वतखोर राष्ट्रविरोधी जंगलराज दल दल है। जेपी नड्डा ने कहा कि माले वाला राज लाना है क्या? चार बजे के बाद लोग घरों से निकलते नहीं थे। तेजस्वी को क्या मालूम 20 साल पहले क्या हुआ है। ये तो मटन बनाना सिखा रहे है। कोई मछली खाना सिखा रहे है। वो भी जमीन पर नहीं हवा में, देखो इनकी अय्याशी। आप कहां आते हो इनके नक्से में। ये लालू यादव की पार्टी माले को पोस रही है। ये वहीं अंधेरे दिन को लाने की साजिश है या नहीं है। ये विकास को रोकने का तरीका है या नहीं है। ये लेवी लेने का तरीका है या नहीं है। ये रंगदारी टैक्स लेने का तरीका है या नहीं है। इनको घर बैठना बहुत जरूरी है और राज कुमार सिंह को जिताना बहुत जरुरी है। जेपी नड्डा ने आगे कहा कि ये जो इंडी गठबंधन है घमंडिया गठबंधन है ये भ्रष्टाचारियों का टोला है। कांग्रेस पार्टी ने कोयला घोटाला किया या नहीं किया? चीनी घोटाला किया या नहीं किया? चावल घोटाला किया या नहीं किया? पंडुबी घोटाला किया या नहीं किया? हेलीकॉप्टर का घोटाला किया या नहीं किया। देश में टू जी का घोटाला किया थ्री जी का घोटाला किया या नहीं किया। सब घोटालेबाज पार्टियां है। लालू ने चारा खाया या नहीं खाया, अलकतरा खाया या नहीं खाया और नौकरी की जगह पर जमीन खाई की नहीं खाई? वहीं उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कह रखा है जितना घूमना है घूम लो, जितना हेलीकॉप्टर की मौज करनी है कर लो, समय आएगा तो सब जेल के अंदर होंगे।

# जिला प्रशासन का एक अनोखी पहल - "हर घर दस्तक अभियान"

**बीएनएम। आरा**

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी महेन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार सिंह के संयुक्त तत्वाधान में हर घर दस्तक अभियान की शुभारंभ भोजपुर जिला के खेल भवन परिसर से किया गया। जिला के अधिकांश मतदान केन्द्रों पर जिला स्तरीय पदाधिकारी / अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी, प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी के साथ-साथ सेक्टर पदाधिकारी, सेक्टर पुलिस पदाधिकारी, बूथ लेबल कमिटी "हर घर दस्तक अभियान" में घर-घर घूमकर 01 जून 2024 को मतदान करने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा नेवता (आमंत्रण-पत्र) को सभी घरों के मतदाताओं को वितरित किया गया ताकि 01 जून 2024 को शत-प्रतिशत मतदान करें। इस अभियान में जीविका के पदाधिकारियों द्वारा 7300 घरों के मतदाताओं, आंगनवाड़ी सेविका / सहायिका, महिला पर्यवेक्षिका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा 4578 घरों, कल्याण विभाग के प्रखण्ड कल्याण पदाधिकारी एवं विकास मित्रों के द्वारा 12320 घरों, अनुमण्डल एवं प्रखण्ड स्तरीय पदाधिकारी, सेक्टर पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी द्वारा 23440 घरों के साथ-साथ जिला स्तरीय पदाधिकारी द्वारा 5572 घरों के साथ पूरे राज्य में अनोखा रिकॉर्ड कायम करते हुए कुल 53210 घरों में एक साथ 2,12,840 मतदाताओं को जिला प्रशासन, भोजपुर द्वारा नेवता (आमंत्रण-पत्र) दिया गया। घर-घर भ्रमण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी द्वारा आरा विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 242 और 243 जिला कृषि कार्यालय ,महाराजा हाता 244 पर मतदाताओं को नेवता देकर अपील किया गया कि लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदान का प्रतिशत बढ़े, इसकी जिम्मेवारी हम सभी की है। सभी को अपने साथ परिवार के सदस्य सहित आस-पास के लोगों को बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित करना होगा तभी शत-प्रतिशत मतदान होगा जिससे हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा। इस मौके पर स्वीप कोषांग के वरीय पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त विक्रम विरकर, अपर समाहर्त्ता मनोज कुमार झा, जिला अनुमण्डल लोक शिकायत पदाधिकारी विजय कुमार, निदेशक डी.आर.डी.ए. प्रमोद कुमार, अनुमण्डल पदाधिकारी, आरा सदर लाल ज्योतिनाथ सहदेव, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, नूर अहसन, जिला सूचना जन-सम्पर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, अग्रणी बैंक प्रबंधक, अन्य शाखाओं के वरीय उपसमाहर्त्ता के साथ-साथ स्वीप नोडल पदाधिकारी हीना, सहायक परियोजना पदाधिकारी श्रीमती शालिनी प्रज्ञा, जिला समन्वयक रंजय बैठा, जिला परियोजना पदाधिकारी, नमामि गंगे अमित कुमार सिंह के साथ स्वीप कोषांग के सभी कर्मी उपस्थित थे।

STONE CLINIC MOTIHARI

किडनी स्टोन इलाज की समस्त सुविधाएं

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

A MULTI SPECIALITY HOSPITAL

हमारी सुविधाएँ

- दूरबीन से Gall Bladder Surgery, CBD सर्जरी
- दूरबीन से बच्चेदानी (TLH, LAVH) की सर्जरी
- Renal Stone, Ureteric Stone की सभी सर्जरी
- पेशाब सम्बंधी सभी बीमारी का इलाज
- सभी स्त्री रोग सर्जरी एवं जेनरल सर्जरी की सुविधाएँ
- एडभांस सर्जरी में विश्वसनीयता / सारी सुविधाएँ
- सिरदर्द एवं मानसिक रोगों का पूर्ण इलाज
- 24 घंटा नॉर्मल डिलिवरी / सिजेरियन की सुविधा



डॉ. मनोज कुमार गुप्ता
MBBS, MS, FMAS Ex- SR, BSA Medical College
Delhi Ex- Asst. Prof. Govt. Medical College
यूरोलॉजिस्ट एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन



डॉ. महेन्द्र सिंह
MBBS, MS, MCH (Urology)
Ex- HOD Urology, IGIMS, Patna
सीनियर यूरोलॉजिस्ट एण्ड एण्ड्रोलाजिस्ट



डॉ. हेमन्त कुमार
MBBS,MD, (Psychiatry) BHU, Varanashi
मस्तिष्क, मानसिक, नशा एवं सेक्स रोग विशेषज्ञ

डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

Mob.- 9507919091, 07562964700, 8969970077

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी

बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

## संपादकीय

### जागरूक मतदाता की पहचान, उंगली पे हो स्याही के निशान

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव को राष्ट्रीय महापर्व के रूप मनाया जाता है। इन दिनों लोक सभा साधारण चुनाव 24 के छठे चरण के पूरे होने के बाद अन्तिम सातवें चरण में पहुँच गया है।आजकल आप को एक फोटो दिख रहा है।चाहे आम आदमी हो या खास, राष्ट्रपति हो या उपराष्ट्र पति मंत्री हो या संतरी,जवान - बुर्जग,अमीर हो या गरीब,सभी लोग

आलेख-विनोद कुमार सिंह

लोकतंत्र के महायज्ञ की कुण्डली में अपनी मतदान की आहुति डाल दिया है।जिसका सबसे बड़ा प्रमाण उनके बाये हाथ के तर्जनी उंगली पर लगी स्याही के निशान है।जिससे इन दिनों सभी लोग अपनी फोटो खीच कर शोसल मीडिया पर तेजी से शेयर कर यह बताने की कोशिस कर रहा है कि प्रजातंत्र के महापर्व अर्थात चुनाव में उन्हे अपना वोट दे दिया है,आपने भी अपना मतदान कर दिया होगा या सातवे चरण में करने वाले होगें। आज हम आप के समक्ष भारत चुनाव आयोग द्वारा मतदान केंद्र में मतदाताओं को वोट डालने से पूर्व मतदाताओं के बाये हाथ की एक उंगली पर स्याही का निशान जाता है।मै उसी स्याही के बारे में बताने जा रहे है। आप के उंगुली पर जो स्याही निशान लगाई गई है,वह कोई साधारण स्याही नहीं है,बल्कि चमत्कारी स्याही है।इस स्याही का निशान केवल भारत में ही नहीं लगाया जाता बल्कि दुनिया के कई अनेक देशों के चुनाव में इसी स्याही का निशान लगाया जाता है।विश्व के कई देशों भारत से ही निर्यात की जाती है। आपको बता दे कि आपकी तर्जनी उंगली पर स्याही लगाने का सीधा अर्थ होता है कि आपने अपना वोट डाल दिया है। यह स्याही ऐसी होती है कि उसका निशान मिटाया नहीं जा सकता है।प्रारम्भ मे स्याही बैगली रंग की दिखती है,जो कुछ समय साथ ही यह काली पड़ जाती है। इसे इंडेलिबल इंक के नाम से जाना जाता है।आपके मन में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखरिकार यह स्याही बनती कहाँ है।तो मै आप को स्पष्ट कर दुँ कि तेलंगाना के हैदराबाद की रायडू लेबोरेटरी व कर्नाटक के मैसूर के मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड कंपनी में इसका उत्पादन किया जाता है।मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड में बनी स्याही का इस्तेमाल भारत का चुनाव आयोग करता है जबकि रायडू लेबोरेटरी में बनी स्याही दुनिया के दूसरे देशों में भेजी जाती है।दुनिया के क़रीब 90 देशों में इस स्याही का इस्तेमाल होता है।इसमें से 30 देशों में स्याही की आपूर्ति मैसूर पेंट्स और वार्निश लिमिटेड कंपनी भी करती है।शुरुआती दिनों में इस स्याही को छोटी बोतलों में भरकर निर्यात किया जाता था।रायडू लेबोरेटरी के सीईओ शशांक रायडू के मुताबिक़ आधुनिकतम तकनीकों के चलते 2014 के बाद से इस अमिट स्याही से बने मार्कर का निर्यात किया जा रहा है।चुनाव के दौरान बैंगनी रंग की इस स्याही को बाएं हाथ की तर्जनी पर लगाया जाता है।चुनावी स्याही में 10 से18 प्रतिशत मात्रा सिल्वर नाइट्रेट केमिकल की होती है।जब चुनाव अधिकारी इसे उंगली पर लगाता है तो यह हमारे शरीर में मौजूद नमक के साथ प्रतिक्रिया कर के सिल्वर क्लोराइड बनाता है।चूंकि सिल्वर क्लोराइड पानी में घुलता नहीं है तो यह हमारी त्वचा से जुड़ा रह जाता है।उंगली पर लगने के सेकेंड भर बाद ही यह अपना निशान बना लेता है और 40 सेकेंड में पूरी तरह सूख भी जाता है।खास बात यह है कि पानी के संपर्क में आने के बाद इसका रंग काला हो जाता है।आप चाहे जितना भी साबुन,पाउडर या तेल रगड़ लें,ये छूटेगा नहीं।इसका निशान कम-से-कम 72 घंटे तक त्वचा से मिटाया नहीं जा सकता।चुनाव आयोग के मुताबिक़ 2014 के आम चुनाव के दौरान 21 लाख बॉटल स्याही का ऑर्डर दिया गया था,जो 2019 के आम चुनावों में बढ़कर 26 लाख तक पहुंच गया था।इसका इस्तेमाल 1960 के दशक से हो रहा है। चुनाव आयोग की ओर से मार्च 2015 में जारी हुए एक आदेश के मुताबिक़ स्याही बाएं हाथ की तर्जनी उंगली के नाखून के आख़िरी सिरे से प्रथम जोड़ के नीचे तक ब्रश से लगाई जाएगी।जिस ब्रश से यह स्याही लगाई जाती है,उसका निर्माण भी मैसूर पेंट्स एंड वार्निश लिमिटेड ही करता है।लोकसभा साधरण चुनाव 24 के छठे चरण में एक भारतीय नागरिक होने के नाते मैने भी प्रजातंत्र के महायज्ञ में आहुति के रूप अपना दक्षिणी दिल्ली स्थित एक मतदान केन्द्र में अपना मतदान करने स्वर्णिम अवसर प्राप्त हुआ।वही पोलिंग बूथ के मतदान अधिकारी जो ईवीएम कंट्रोल यूनिट के प्रभारी होते हैं, उनका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि कंट्रोल बैलेट का बटन दबाने से पहले मतदाता (मुझे)मेरे बायें हाथ की तर्जनी उंगली पर स्याही का निशान पूरी तरह से लगाई गयी।जो आप के उंगली लगाई हो,जब आप अपना मतदान करेंगे तो लगाई जायेगी।एक सवाल यह भी उठता है कि अगर किसी मतदाता के हाथ पर पिछले चुनाव की स्याही का निशान लगा हो तो स्याही कहां लगाई जाएगी।इस सवाल का जवाब चुनाव आयोग ने राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारियों को मार्च 2021 में लिखे एक पत्र में दिया है।आयोग ने इस पत्र में लिखा है, बाएं हाथ की तर्जनी पर अगर पिछले चुनाव की स्याही लगी हो और उसके निशान दिख रहे हों तो स्याही बाएं हाथ की तर्जनी की जगह मध्यमा या बीच की उंगली में लगाई जाएगी।चुनाव आयोग का कहना है कि अगर स्याही मध्यमा पर भी लगी हो तो अनामिका उंगली में लगाई जाएगी।इसके लिए ज़रूरी है कि वर्तमान चुनाव और पूर्व चुनाव के बीच का अंतर दो महीने से अधिक का न हो।अब आप जरूर समझ गये होंगे।भारतीय लोकतंत्र के इस महापर्व के सातवें व अन्तिम चरण1जुन व 4जुन 24 को ईवीएम मशीन में डाले गए मत के नतीजे घोषित किये जायेंगें।जिनका सभी भारतीयो के संग देश व विदेशी राजनीतिक पंडितयों को इंतजार है ,क्योंकि विजयी हुए प्रतिनिधि ही विश्व के सबसे बड़े प्रजातंत्र के मन्दिर संसद भवन में 5वर्षो के लिए अपने क्षेत्र व देश के भविष्य लिए अंहम भुमिका अदा करेंगें। फिलहाल आप सभी से यह कहते हुए विदा लेते है कि ना ही काहुँ से दोस्ती,ना ही काहुँ से बैर।खबरीलाल तो माँगे सबकी खैर॥फिर मिलेगें,तिरक्षी नजर से तीखी खबर के संग।तब तक के लिए अलविदा।

# पुणे पोर्श कांड : अपराध तो बालिग जैसा है

पूरे हिन्दुस्तान में चर्चा है कि यह कैसा कानून है जिसमें दो 24 वर्षीय युवाओं, इंजीनियर्स की 150-200 की स्पीड में, करोड़ों की पोर्श कार से रात में दो बाइक सवारों को फुटबॉल की तरह उड़ा देने पर 17 वर्ष 8 महीने के युवा को नाबालिग समझ कर, पुलिस स्टेशन से ही बेल देकर रिहा करने और 300 शब्दों में निबंध लिखने की सजा देकर क्लीन चिट दे दी। सवाल है क्या 17 वर्ष 8 महीने का लड़का बालिग है या नाबालिग? तो इसका जवाब जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 में किए गए संशोधन के अनुसार सेक्शन 18 में, 1-9-2022 से यह बदलाव आया कि 16 वर्ष या उससे भी छोटा लड़का-लड़की यदि जघन्य अपराध करता है तो जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड उसको कोर्ट में स्थानांतरित कर देगा, जहां वह एक बालिग की तरह ट्रायल के सम्मुख होगा। साथी ही 2 वर्ष या ज्यादा सजा वाले प्रावधान में सजा का अधिकारी होगा। सर्वोच्च न्यायालय के कई फैसलों के अनुसार 'मोटर व्हीकल एक्ट' में अधिकतम सजा के प्रावधान भी वह जनरल आईपीसी में जघन्य अपराध की तरह सजा ही देगा-कम नहीं। अब इससे जघन्य अपराध क्या हो सकता है? जनता का आक्रोश सही है। मैंने कभी कहा था-कानून का सही पालन करने वालों के साथ, मेहनत करने वालों के साथ, बिना रसूख वालों, गरीब व्यक्तियों को कानून के अधिकारी, पुलिस, निचली अदालतें, अदक्ष वकीलों के ज्ञान और कर्तव्य के प्रति असम्मान होने के कारण ही यहां का कॉमन आदमी जो निदरेष है वह जेलों में है। आजादी के बाद से ही, पुराने ब्रिटिश कानून की

प्रक्रिया को अपना लिया गया है जो आज भी व्यवहार में आ रहा है। जैसे कानून को चलाने वाले उसी युग के कर्ताधर्ता हैं, जिनका काम निदरेष पर अन्याय करना है। कानून बदले पर कानून के ज्ञान रखने वाले, रूल करने वाले उसका सशोधन भी नहीं पढ़ते। गलत आर्डर देते रहते हैं। यह संशोधन सितम्बर 2022 का है। किसी ने इसे पढ़ा क्यों नहीं? पुलिस कमिश्नर ने कहा कि इसे नाबालिग किस आधार पर ट्रीट किया। क्या वह भी अरबपति पिता, दादा के प्रति डर था कि जिसका संबंध छोटा राजन से था। नाबालिग को 300 शब्दों का निबंध लिख, बेल पर जाने क्यों दिया?

जुवेनाइल जस्टिस एक्ट बोर्ड ने क्यों नहीं अभी ही यह निर्णय दिया कि वह 16 से ऊपर का है। 16 से नीचे भी होता तो उसे गंभीर अपराध के आधार पर रेगुलर कोर्ट को रेफर किया जाता जहां उसे वर्षो तक बेल नहीं होती और आजीवन कैद मिलती। उसे रिमांड होम क्यों भेजा, फैसला 5 जून तक क्यों टाल दिया? क्या वह लड़का जो कानूनन बालिग है, रिमांड होम में, चंद दिनों में, सुधर जाएगा, एक संत होकर निकलेगा, उसके अभिमान भरे क्रिमिनल माइंड में बदलाव आएगा? यह जस्टिस बोर्ड के हसीन सपनों के सिवा कुछ नहीं है। क्यों हम भी यह नहीं सोचे कि वह पढ़ता नहीं, इस पद के बुलाए अयोग्य अपराधी के रसूख से प्रभावित है? इस देश का जस्टिस सिस्टम को तीन लेयर का बनाया गया-पहले ट्रायल कोर्ट, फिर हाईकोर्ट, उसके बाद अंतिम सुप्रीम कोर्ट। यह कई लेयर सिस्टम है। पहले लेयर पर पुलिस है-वह कानून नहीं जानती, जानने पर भी लागू नहीं करती, मनमाने तरीके से निर्णय लेकर काम करती है। खुद मैंने, अपनी गाड़ी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराने पुलिस स्टेशन पहुंची तो जब तक मैंने अपना परिचय नहीं दिया तो एक घंटे तक कम्पलेन नहीं लिया गया। उसके बाद जब मैंने अपना विजिटिंग कार्ड दिया तो तुरंत मुझे थाना इंचार्ज के कमरे में बैठाकर आनन-फानन में मेरी शिकायत दर्ज की, रिपोर्ट घर पहुंचाने को कहा गया। वैसे भी अब कई, ट्रिब्यूनल्स हैं, वे गलती करें तो हाईकोर्ट, उसके बाद कई सलों तक मुकदमा चलने पर खारिज होने तक सुप्रीम कोर्ट केस लड़ा जाता है।

इस प्रक्रिया में 30-32 साल आराम से गुजर जाते हैं, दूसरी-तीसरी पीढ़ी केस लड़ती है। जेल तो खुद ही नरक बन चुकी है। गरीब लोग छोटे अपराधों में 32-35 वर्ष तक रिहाई के बाद भी ट्रायल नहीं होने पर भी जेलों में पड़े रहते हैं, कारण उनका कोई नहीं है जो ज्यादा फीस देकर वकील रखे। उसकी तुलना में रसूख वालों का मुकदमा नीचे से ऊपर तक किस प्रकार हल्के तौर पर ट्रीट किया जाता है, जगजाहिर है। संक्षेप में कहें तो कभी-कभी किसी की आत्मा जाग्रत हो या भाग्य पलटता है तो गरीब को न्याय नसीब हो जाता है। वाकई, पुणे की घटना को जानने-समझने के बाद इस व्यवस्था में दम घुटता है। एक वकीलों की सोसाइटी के सामने अचानक एमसीडी, डीडीए, सरकारी फुटपाथ से आज्ञा लेकर एक रेस्टोरेंट खुलता है मालिक उसे अपनी बपौती समझ सुबह 9 से रात तीन बजे तक, बिना किसी परमीशन पर, रेजिडेंसियल सोसाइटी के सामने तेज म्यूजिक और हुड़दंग करता है, विगत 3-4 वर्षो से पुलिस हाईकोर्ट पहुंचने पर भी न्याय नहीं मिलता है। पुलिस कभी विक्टिम के पास आकर उसका हालचाल नहीं पूछती। हाईकोर्ट के आदेश पर भी नहीं।

**- कमलेश जैन**

# रईसी की मौत : जब तब सुनाई देगी प्रतिध्वनि

ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलिकॉप्टर दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद पूरी दुनिया कशमकश की स्थिति में है। दुनिया के किसी कोने में कोई हलचल नहीं। कोई प्रतिक्रिया नहीं। मध्य-पूर्व स्तब्ध है! यूरेशिया में सन्नाटा है और अमेरिका के भीतर आश्चर्यजनक चुप्पी है। लगता है तमाम छोटे-बड़े राष्ट्रों ने खुद को सभ्यता के एक ऐसे खोल में छुपा लिया है, जहां गैर जरूरी शब्दों की गूंज सुनाई न दे सके।

क्या कारण है इब्राहिम रईसी जैसे अतिरूढ़िवादी मौलवी और 'ईरानी कसाई' कि मौत पर अच्छी या बुरी कोई प्रतिक्रिया नहीं। हालांकि, अभी तक जो कुछ निकलकर आया है, उसके मुताबिक खराब मौसम की वजह से हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हुआ है, लेकिन जिस तरह से रईसी ने इस्त्रइल और अमेरिका के प्रति सख्त रूख अपनाया हुआ था उसे देखते हुए हादसे में किसी साजिश की आशंका जताई जा रही है। पहला सवाल यह है कि रईसी के काफिले में शामिल दो अन्य हेलिकॉप्टर सही सलामत अपने गंतव्य तक कैसे पहुंच गए। दूसरा, जिस तरह से पिछले चार वर्षो में एक के बाद एक ईरान के कई बड़े नेताओं की हत्याएं हुई है उससे भी षड्यंत्र से इनकार नहीं किया जा सकता है। जनवरी 2020 में ईरानी कुर्द सेना के जनरल कासिम सुलेमानी की अमेरिका ने बगदाद इंटरनेशन एयरप्रोर्ट पर ड्रोन से हमला कर हत्या कर दी थी। सुलेमानी की मौत के कुछ समय बाद ईरान के मुख्य परमाणु वैज्ञानिक मोहसिन फखरीजादेह की भी हत्या कर दी गई। फखरीजादेह की हत्या के लिए ईरान आज भी इस्त्रइल की खुफिया एजेंसी मोसाद को दोषी मानता है। इससे पहले 2010-12 के बीच में ईरान के चार परमाणु वैज्ञानिकों की रहस्मय ढंग से मौत हो गई थी। इन तमाम घटनाओं के आलोक में यह कहा जा सकता है कि रईसी की मौत को महज दुर्घटना मानकर ईरान स्वीकार कर लेगा इसकी संभावना कम ही है।

सवाल यह है कि एक के बाद एक हुई घटनाओं के बावजूद ईरान ने अब तक सबक क्यों नहीं लिया? हर समय शत्रु देशों की खुफिया एजेंसियों की नजर में रहने वाला ईरान वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान रखी जाने वाली जरूरी सावधानी या गोपनीयता क्यों नहीं रख पाया। रईसी की मौत कहीं ईरानी खुफिया एजेसियों की लीक का परिणाम तो नहीं। क्या ईरान इस बात को नहीं जानता कि इस्त्रइल

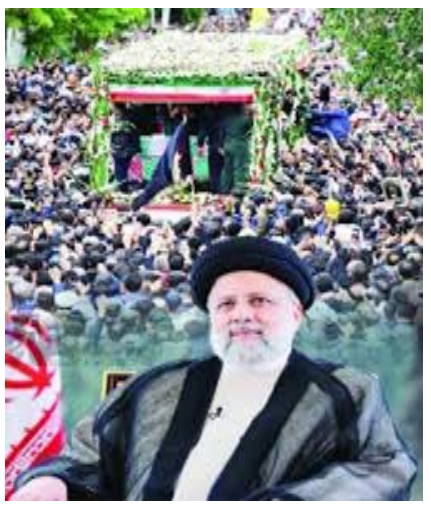

लंबे समय से अजरबैजान के जरिए ही उसकी नाभिकीय गतिविधियों पर नजर रखे हुए था। रईसी साल 2021 में उस वक्त ईरान की सत्ता में आए जिस वक्त ईरान आंतरिक असहमति और पश्चिमी ताकतों के साथ दो-दो हाथ कर रहा था। अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक परमाणु समझौते से हटने और कोविड-19 प्रकोप के कारण देश गंभीर आर्थिक चुनौतियों से घिरा हुआ था। लचर अर्थव्यवस्था और मुद्रा संकट के चलते व्यापार उद्योग बुरी तरह प्रभावित हो रहा था। कैंसर व डायबिटीज की दवाओं की भारी किल्लत थी। ईरान के केंद्रीय बैंक पर वैश्विक प्रतिबंध के कारण दवा कंपनियां ईरान से व्यापार करते हुए कतरा रही थी। दूसरी ओर अमेरिका ने रईसी पर व्यक्तिगत तौर पर भी प्रतिबंध लगा रखे थे। साजिश का एक कोण ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई के बेटे की तरफ भी जाता हुआ दिखाई दे रहा है। रईसी को खामेनेई का बेहद करीबी माना जाता था। यहां तक की रईसी को खामेनेई के उत्तराधिकारी के तौर पर भी देखा जाता था। 1989 में सुप्रीम लीडर बनने से पहले खामेनेई भी ईरान के राष्ट्रपति का पद संभाल चुके हैं। पिछले दिनों ही खामेनेई ने रईसी को अत्यधिक अनुभव वाला भरोसेमंद व्यक्ति कहा था। इसके बाद अटकलें लगाई जा रही थी कि खामेनेई रईसी को अपने उत्तराधिकारी के रूप में प्रस्तुत करेंगे। दूसरी ओर खामेनेई के बेटे मोजतबा अपने पिता की विरासत को आगे बढ़ाना चाहते हैं। रईसी उनके लिए सबसे बड़ी चुनौती थे। निसंदेह रईसी की मौत के बाद मोजतबा के मार्ग का एकमात्र कांटा अपने आप साफ हो गया है। अक्टूबर 2023 में इस्त्रइल-हमास युद्ध शुरू हुआ। इराक और सीरिया में ईरान समर्थित मिलिशिया ने अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाया है। इस्त्रइल ने सीरिया में ईरान के वाणिज्य दूतावास पर हमला किया। इस हमले के बाद ईरान ने भी इस्त्रइल को सबक सिखाने के लिए इसी अप्रैल में ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया था। तकरीबन सात माह के इस्त्रइल-हमास युद्ध में यह पहला अवसर था जब ईरान और इस्त्रइल ने एक-दूसरे पर सीधे हमले किए हैं। कुल मिलाकर कहा जाए तो गजा युद्ध में रईसी की भूमिका सकारात्मक नहीं थी। उनके नेतृत्व में ईरान लगातार उकसाने वाली कार्रवाई को अंजाम दे रहा था। वह अमेरिका और इस्त्रइल के टारगेट पर तो थे ही। ऐसे में शक की सुई इस्त्रइल के साथ-साथ अमेरिका की ओर भी घूमना स्वाभाविक ही है। हालांकि, इस्त्रइल का कहना है कि हेलीकाप्टर हादसे में मोसाद का लेना-देना नहीं है। अमेरिका की ओर से अभी तक कोई बयान नहीं आया है। दूसरा ईरान को भी अभी तक कोई ऐसे सबूत नहीं मिले हैं, जिसके आधार पर वह सीधे-सीधे साजिश के लिए अमेरिका या इस्त्रइल को कठघरे में खड़ा कर सके। 64 साल के इब्राहिम रईसी ईरान के भीतर खासे लोकप्रिय नेता थे। विदेश नीति के मोर्चे पर उन्होंने ईरान को काफी बैलेंस किया। उन्होंने चीन, रूस और सउदी से रिश्ते मजबूत बनाए। पाकिस्तान से कई समझौते किए। भारत से भी चाबहार समझौता किया। बेहतर विदेश नीति के सर्जक होने के बावजूद इतिहास उन्हें लोकतंत्र और व्यक्तिगत आजादी को कुचलने वाले एक क्रूर शासक के तौर पर जानता है। वर्ष 2022 के अंत में ईरान की मोरल पुलिस की हिरासत में 22 साल की महसा अमिनी की मौत उनके क्रूर शासन का सबसे बड़ा उदाहरण है। हिजाब के विरुद्ध खड़ी महसा अमिनी की मौते के बाद ईरान में प्रदशर्नों को जो सिलसिला शुरू हुआ उसने ईरान को महीनों तक हिलाये रखा। रईसी शासन ने अशांति फैलाने के आरोप में सात लोगों को सार्वजनिक रूप से फांसी दी थी। 500 से ज्यादा लोगों को गुपचुप ढंग से मरवा देने के आरोप रईसी पर है। खैर! यह दुनिया और उसके रहनुमाओं का अपना मामला है। हादसे की असल वजह जो भी रही हो व्यापक जांच के बाद सामने आ ही जाएंगी, लेकिन मध्य पूर्व की शांति के लिहाज से घटना छोटी नहीं है। इसकी प्रतिध्वनि जब-तब सुनाई देती रहेगी।

**- डॉ. एन.के. सोमानी**

## आज का पंचांग

आज ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की उदया तिथि चतुर्थी और सोमवार का दिन है। चतुर्थी तिथि आज शाम 4 बजकर 54 मिनट तक रहेगी। आज पूरा दिन पार कर भोर 4 बजकर 29 मिनट तक शुक्ल योग रहेगा।

## आज का राशिफल

**मेष :** आज भूमि संबंधी कार्य में बनते बनते बाधा आ सकती है. किसी नए उद्योग की कमान किसी अन्य को देने की बजाय उसको खुद ही संभालते अन्यथा हानि हो सकती है. वाहन चलते-चलते अचानक खराब हो सकता है. कोई महत्वपूर्ण कार्य धन के अभाव में बाधित हो सकता है.

**वृषभ :** आज कार्य क्षेत्र में अतिरिक्त जिम्मेदारी परेशानी का सबब बनेगी. किसी प्रियजन से दूर जाना पड़ सकता है. घर अथवा व्यवसाय के स्थल में अग्नि लगने का भय बना रहेगा. राजनीतिक क्षेत्र में कोई असफलता अपमान का सबब बनेगी. यात्रा में किसी अनजान व्यक्ति पर अत्यधिक विश्वास करना हानिकारक सिद्ध होगा.

**मिथुन :** आज व्यापार में कड़ा परिश्रम लाभकारी सिद्ध होगा. सहोदर भाई बहनों का व्यवहार सहयोगात्मक रहेगा. नौकरी में पदोन्नति होने के योग बनेंगे. पैतृक धन संपत्ति आपको मिल सकती है. भूमि ,भवन, वाहन आदि के क्रय विक्रय से लाभ होगा. फोर्स से जुड़े लोगों को शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी.

**कर्क :** रोजगार प्राप्त होगा. नौकरी में उच्च अधिकारी का वरदहस्त बना रहेगा. राजनीति में वर्चस्व स्थापित होगा. कला, अभिनय के क्षेत्र से जुड़े लोगों को उच्च सफलता प्राप्त होगी. किसी पुराने मुकदमे से छुटकारा मिलेगा. जेल से मुक्त होंगे. समाज में आपके अच्छे कार्यों की सराहना होगी. व्यापार में नए मित्र बनेंगे.

**सिंह :** आज बैंक में जमा पूंजी में वृद्धि होगी. कोई महत्वपूर्ण कार्य सफल होगा. परिवार में किसी परिजन का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा. नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटकना पड़ सकता है. आपको शारीरिक श्रम अत्यधिक करना पड़ सकता है. विभिन्न फर्म अथवा उद्योग से जुड़े लोगों को, उनके प्रतिनिधियों को भाग दौड़ की अपेक्षा सफलता कम मिलेगी.

**कन्या :** आज दिन की शुरुआत अत्यंत शुभ समाचार के साथ होगी. कार्य क्षेत्र में उच्च अधिकारी से निकटता बढ़ेगी. परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा. किसी विशिष्ट व्यक्ति का सहयोग एवं सानिध्य प्राप्त होगा. व्यापार में विस्तार करने की योजना सफल होगी. नौकरी में पदोन्नति के साथ महत्वपूर्ण पद प्राप्त होगा.

**तुला :** आज नौकरी की तलाश पूरी होगी. मजदूरों को कार्य करने को मिलेगा. बहुराष्ट्रीय कंपनीयों में कार्यरत लोगों को महत्वपूर्ण कार्य करने की जिम्मेदारी मिलेगी. जिससे कार्य क्षेत्र में उनका प्रभाव बढ़ेगा. राजनीति में पद एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी. सरकार के जनकल्याण के कार्यों की जिम्मेदारी आपको प्राप्त होगी.

**वृश्चिक :** आज दिन की शुरुआत व्यर्थ भागदौड़ के साथ होगी. किसी महत्वपूर्ण कार्य में विघ्न आ सकता है. गृहस्थ जीवन में सुखद समय रहेगा. कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बनी रहेगी. नौकरी में झूठा आरोप लग सकता है. किसी की बुरी बात को दिल से लगाए ना लगाएं.

**धनु :** आज स्वादिष्ट भोजन प्राप्त होगा. कार्य क्षेत्र में मन मुताबिक कार्य करने को न मिलने से मन परेशान रहेगा. राजनीति में पद एवं कद बढ़ेगा. नौकरी की तलाश पूरी होगी. व्यापार में नए प्रयोग लाभकारी सिद्ध होंगे. किसी महत्वपूर्ण योजना का हिस्सा बनेंगे.

**मकर :** राजनीतिक क्षेत्र में आपकी भाषण शैली की सराहना होगी. किसी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का विचार छोड़ दें. किसी की कही सुनी बातों पर ध्यान ना दे. परिवारिक समस्या का समाधान हो जाएगा. नए काम की अभिलाषा होगी. दोस्त मदद करेंगे. व्यापार में लगाकर मेहनत करें.

**कुंभ :** आज बिगड़े हुए काम बना लेंगे. वाहन आदि के क्रय विक्रय का अवसर मिलेगा. लंबी यात्रा अनुकूल रहेगी. कार्य क्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल बनेगा. राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी. परिवर्तन लाभकारी सिद्ध होंगे.

**मीन :** आज भूमि संबंधी कार्य में आ रही बाधा सरकारी मदद से दूर होगी. व्यापार में कठिन परिश्रम करना पड़ेगा. नौकरी में उच्च अधिकारी से अकारण मतभेद हो सकते हैं. किसी अनचाही यात्रा पर जाना पड़ सकता है. राजनीति में जनमानस का सहयोग मिलेगा. सोच समझकर नीति निर्धारण करें अन्यथा बनी बात बिगड़ सकती है.

# मिट्टी परीक्षण मृदा स्वास्थ्य पत्रक

## कार्य का क्षेत्र

सम्पूर्ण मध्यप्रदेश बेहतर फसल उत्पादन एवं मृदा स्वास्थ्य हेतु संन्तुलित पौध पोषण परम आवश्यक होता है उचित पौध पोषण हेतु खेत की मिट्टी में उपलब्ध विभिन्न प्रमुख एवं गौण पोषक तत्वों की उपस्थित मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा सुलभ होती है । प्राप्त मिट्टी परीक्षण परिणामो के आधार पर कृषक बन्धु उर्वरको का सन्तुलित मात्रा में उपयोग कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकते है ।

## मिट्टी परीक्षण क्या है

खेत की मिट्टी में पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास हेतु आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्ध मात्राओं का रासायनिक परीक्षणों द्वारा आंकलन करना साथ ही विभिन्न मृदा विकास जैसे मृदा- लवणीयता, क्षारीयता एवं अम्लीयता की जांच करना मिट्टी परीक्षण कहलाता है ।

## मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता

पौधो की समुचित वृध्दि एवं विकास के लिये सर्वमान्य रूप से सोलह पोषक तत्व आवश्यक पाये गये है । यह अनिवार्य पोषक तत्व है। कार्बन, हाइड्रोजन, आक्सीजन, नत्रजन, फास्फोरस, पोटाश, कैल्शियम, मैग्निशियम एवं सल्फर ( मुख्य या अधिक मात्रा मे लगने वाले आवश्यक पोषक तत्व ) इन पोषक तत्वों मे से प्रथम तीन तत्वों को पौधे प्राय: वायु व पानी से प्राप्त करते है तथा शेष 13 पोषक तत्वों के लिये ये भूमि पर निर्भर होते है । सामान्यत: ये सभी पोषक तत्व भूमि में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध रहते है । परन्तु खेत में लगातार फसल लेते रहने के कारण मिट्टी से इन सभी आवश्यक तत्वों का ह्रास निरन्तर हो रहा है । असन्तुलित पौध पोषण की दशा में फसलो की वृध्दि समुचित नहीं हो पाती तथा पौधो के कमजोर होने एवं रोग व्याधि, कीट आदि से ग्रसित होने की सम्भावना अधिक रहती है । परिणामस्वरूप फसल उत्पादन कम होता है इसके अतिरिक्त उर्वरक भी काफी महंगे होते जा रहे है। अत: इन पोषक तत्वों को खेत में आवश्यकतानुरूप ही उपयोग करना जिससे खेती लाभदायक बन सकती है । खेतो में उर्वरक डालने की सही मात्रा की जानकारी मिट्टी परीक्षण द्वारा ही प्राप्त की जा सकती है । अत: मिट्टी परीक्षण उर्वरकों के सार्थक उपयोग एवं बेहतर फसल उत्पादन हेतु नितान्त आवश्यक है ।

## मिट्टी का नमूना एकत्र करना

मिट्टी परीक्षण के लिये सबसे महत्वपूर्ण होता है कि मिट्टी का सही नमूना एकत्र करना । इसके लिये जरूरी होता है कि नमूना इस प्रकार लिया जाये कि वह जिस खेत या क्षेत्र से लिया गया हो उसका पूर्ण प्रतिनिधित्व करता हो । इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु मिट्टी के प्रतिनिधि नमूने एकत्र किये जाते है । प्रतिनिधि नमूना लेने के लिये ध्यान दे कि -

1- नमूना लेने से पूर्व खेत में ली गई फसल की बढवार एक ही रही हो ।

2- उसमें एक समान उर्वरक उपयोग किये गये हो ।

3- जमीन समतल व एक ही हो तो ऐसी स्थिति में पूरे खेत से एक ही संयुक्त या प्रतिनिधि नमूना ले सकते है ।

इसके विपरीत यदि खेत में अलग-अलग फसल ली गई हो । भिन्न-भिन्न भागो में अलग-अलग उर्वरक मात्रा डाली गई हो । फसल बडवार कही कम, कही ज्यादा रही हो । जमीन समतल न होकर ढालू हो तो इन परिस्थितियो में खेत के समान गुणो वाली सम्भव इकाईयो में बांटकर हर इकाई से अलग-अलग प्रतिनिधि नमूना लेना चाहिये । नमूना सामान्यत: फसल बोने के एक माह पहले लेकर परीक्षण हेतु भेजना चाहिये ताकि समय पर परिणाम प्राप्त हो जायें एवं सिफारिश के अनुसार खाद उर्वरको का उपयोग किया जा सके ।

## नमूना एकत्रीकरण हेतु आवश्यक सामग्री

खुरपी, फावडा, बाल्टी या ट्रे, कपडे एवं प्लास्टिक की थैलियां , पेन, धागा, सूचना पत्रक , कार्ड आदि ।

प्रतिनिधि नमूना एकत्रीकरण विधि-

1- जिस खेत में नमूना लेना हो उसमें जिग-जैग प्रकार से घूमकर 10-15 स्थानो पर निशान बना ले जिससे खेत के सभी हिस्से उसमें शामिल हो सकें ।

2- चुने गये स्थानो पर उपरी सतह से घास-फूस, कूडा करकट आदि हटा दे।

3- इन सभी स्थानो पर 15 सें.मी. (6 -9 इंच) गहरा वी आकार का गड्ढा खोदे । गड्ढे को साफ कर खुरपी से एक तरफ उपर से नीचे तक 2 से.मी. मोटी मिट्टी की तह को निकाल ले तथा साफ बाल्टी या ट्रे में डाल ले ।

4- एकत्रित की गई पूरी मिट्टी को हाथ से अच्छी तरह मिला लें तथा साफ कपडे पर डालकर गोल ढेर बना लें । अंगूली से ढेर को चार बराबर भागो की मिट्टी अलग हटा दें । अब शेष दो भागो की मिट्टी पुन: अच्छी तरह से मिला लें व गोल बनाये । यह प्रक्रिया तब तक दोहराये जब तक लगभग आधा किलों मिट्टी शेष रह जायें । यही प्रतिनिधि नमूना होगा ।

5- सूखे मिट्टी नमूने को साफ प्लास्टिक थैली में रखे तथा इसे एक कपडे की थैली में डाल दें । नमूने के साथ एक सूचना पत्रक जिस पर समस्त जानकारी लिखी हो एक प्लास्टिक की थैली में अन्दर तथा एक कपडे की थैली के बाहर बांध देवें ।

6- अब इन तैयार नमूनों को मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला भेजे।

## विशिष्ट परिस्थितियो हेतु नमूना एकत्रीकरण

लवण प्रभावित भूमि से मिट्टी नमूना लेने के लिये 90 से.मी. गहरा गड्ढा खोदकर एक तरफ से सपाट कर ले । फिर वहा से उपर से नीचे की ओर 0-15से.मी., 15-30से.मी., 30-60 से.मी. एवं 60से 90 से.मी. की परतो से आधा-आधा किलो मिट्टी खुरच कर अलग-अलग थैलियो में रखकर व परतो की गहराई लिखकर सूचना पत्रक में स्थान का भू-जल स्तर, सिंचाई का स्त्रोत आदि जानकारी भी लिखकर मिट्टी नमूनो को प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु भेजें । फलदार पौधे लगाने के लिये 2 मी. तक नमूना लेना चाहिये क्योंकि वृक्ष जमीन की गहराई की परतों से अपना पोषण प्राप्त करते है । साथ ही जमीन में कैल्शियम, कार्बोनेट की मात्रा फलदार पौधो की बढवार के लिये महत्वपूर्ण होती है । 2 मी. के गड्ढे में एक तरफ सपाट करके

15,30,60,90,120,150,एवं 180 से.मी. की गहराई पर निशान बनाकर अलग-अलग परतो से अलग-अलग मिट्टी नमूना ( 1/2 किलो ) एकत्र करें । सूचना पत्रक में अन्य जानकारियो के साथ परतो की गहराई भी लिखे । इस प्रकार तैयार नमूनों को परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे ।

## नमूना एकत्रिकरण के समय सावधानियां

- जहां खाद का ढेर रहा हो वहां से नमूना न लें ।
- पेडों , मेढो, रास्तो के पास से नमूना न ले ।
- साफ औजारो ( जंग रहित ) तथा साफ थैलियों का उपयोग करें ।
- नमूनों के साथ सूचना पत्रक अवश्य रखें ।

याद रखे कि खेत का मिट्टी परीक्षण उतना ही आवश्यक है जितनी कि स्वास्थ्य के लिये चिकित्सक से जांच करवाते रहना। इस प्रत्येक तीन वर्षो में अनिवार्य रूप से दोहराते रहना चाहिये।

## निर्धारित शुल्क

मिट्टी परीक्षण हेतु शासन द्वारा निर्धारित रियायती दर- शासन द्वारा किसानो के खेतो की मिट्टी के सूक्ष्म तत्व विश्लेषण करने हेतु सामान्य कृषको के लिये रू. 40/- प्रति नमूना तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिये रू. 30/- प्रति नमूना शुल्क निर्धारित किया गया है ।

मुख्य तत्वों के विश्लेषण हेतु सामान्य कृषको के लिये रू.5/- प्रति नमूना तथा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के कृषको के लिये रू0 3/- प्रति नमूना निर्धारित किया गया ।

## मिट्टी परीक्षण के उद्देश्य-

मिट्टी परीक्षण सामान्यतया निम्न उद्देश्यो की पूर्ति के लिये किया जाता है -

मिट्टी में पोषक तत्वों के स्तर की जांच करके फसल एवं किस्म के अनुसार तत्वों की सन्तुलित मात्रा का निर्धारण कर खेत में खाद एवं उर्वरक मात्रा की सिफारिश हेतु ।

मृदा अम्लीयता, लवणीयता एवं क्षारीयता की पहचान एवं सुधार हेतु सुधारको की मात्रा व प्रकार की सिफारिश कर इन जमीनो को कृषि योग्य बनाने हेतु महत्वपूर्ण सलाह एवं सुझाव देना ।

फल के बाग लगाने के लिये भूमि की उपयुक्तता का पता लगाना ।

मृदा उर्वरता मानचित्र तैयार करने के लिये । यह मानचित्र विभिन्न फसल उत्पादन योजना निर्धारण के लिये महत्वपूर्ण होता है तथा क्षेत्र विशेष में उर्वरक उपयोग संबंधी जानकारी देता है ।

## मिट्टी नमूना का प्रयोगशाला में विश्लेषण एवं परिणाम

एकत्रित किये गये नमूनो को किसान भाई अपने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी की मदद से जिले की निकटतम मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओ में परीक्षण हेतु भिजवाये। प्रयोगशालाओ में सामान्यत: मिट्टी परीक्षण कार्बनिक कार्बन, मृदा पी.एच.मान ( अम्लीयता, क्षारीयता, उदासीनता आदि ) वैधुत चालकता, उपलब्ध नत्रजन , स्फुर एवं पोटाश आदि का स्तर जानने के लिये किये जाते है तथा प्राप्त परिणामों के आधार पर पोषक तत्वों के निम्नस्तर (कमी ) मध्यम स्तर ( पर्याप्त ) एवं उच्च स्तर ( अधिकता ) के हिसाब से आगे बोयी जाने वाली फसल के लिये उर्वरक एवं खादी को दी जाने वाली मात्राओ की सिफारिश की जाती है । इस आधार पर कृषक, उर्वरको का सार्थक उपयोग कर अच्छा फसल उत्पादन प्राप्त कर सकते है तथा उर्वरको पर खर्च किये गये पैसों का समुचित उपयोग कर सकते है । सूक्ष्म पोषक तत्वों के विश्लेषण हेतु नमूना सावधानीपूर्वक एकत्रित कर तथा विशिष्ट रूप से यह अंकित कर भेजे कि मृदा में सूक्ष्म तत्व विश्लेषण भी चाहते है ।

# भारत की प्रमुख फसल ऋतुएं

भारत में मुख्य रूप से तीन फसलें होती हैं- खरीफ, रबी और जायद। किसी समय-चक्र के अनुसार वनस्पतियों या वृक्षों और पौधों पर से इंसानों या पशुओं के उपभोग के लिए उगाकर काटी या तोड़ी जाने वाली पैदावार को फसल कहा जाता हैं। ये किसानों द्वारा उगाए जाने वाले वे पौधे या पेड़ हैं, जिनकी खेती किसानों द्वारा बड़े पैमाने पर की जाती है। फसलों की पैदावार का उपयोग इंसानों और पशुओं के लिए भोजन के रुप में किया जाता है। इसके अलावा किसान फसलों को कारोबार या व्यसाय के लिए भी उगाते हैं। भारत में मुख्य रुप से ग्रामीण इलाकों में अधिकांश लोग, कृषि व्यवसाय पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें कृषक या आम बोलचाल की भाषा में किसान कहा जाता है।

IAS परीक्षा 2023 के दृष्टिकोण से भारतीय फसली मौसमों के बारे में महत्वपूर्ण तथ्यों को जानना बेहद आवश्यक है। इस विषय से संबंधित प्रश्न आईएएस प्रीलिम्स 2023 और मेंस परीक्षा के जीएस-द्ध पेपर में पूछे जा सकते हैं। इस लेख में हम आपको यूपीएससी परीक्षा 2023 के संदर्भ में फसलो के मौसम, फसलों के प्रकार और कृषि के महत्व के बारे विस्तार से बता रहे हैं।

लिंक किये गये लेख से भारत के फसल उत्सव की जनकारी प्राप्त करें ।

नोट: यूपीएससी 2023 परीक्षा की तैयारी करने वाले उम्मीदवार खुद को नवीनतम PSC Current Affairs in Hindi से अपडेट रखने के लिए BYJU'स के साथ जुडें, यहां हम प्रमुख जानकारियों को आसान तरीकों से समझाते हैं।

## ऋतुओं के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

भारत में ऋतुओं के आधार पर मुख्यतः तीन प्रकार की फसलें उगाई जाती है, खरीफ की फसलें, रबी की फसलें और जायद फसलें। इनके बारे मे नीचे विस्तार से जानकारी दी जा रही है

खरीफ की फसलें खरीफ की फसलें बोने के लिए अधिक तापमान व आर्द्रता की आवश्यकता होती है जबकि इनके पकते समय मौसम शुष्क होना चाहिए।

रबी की फसलें ङ्क रबी की फसलों की बोवनी के समय अपेक्षाकृत कम तापमान की आवश्यकता होती है, वहीं इनके पकते समय अधिक तापमान व शुष्क वातावरण होना चाहिए।

जायद फसलें ङ्क जायद फसलें तेज धूप और हवाओं को सहन कर सकती है। जायद की प्रमुख फसलें होती हैं ङ्क ककड़ी, खरबूजा आदि।

## ऋतुओं के अधार पर फसलों का वर्गीकरण

रबी ऋतु की फसलें / शीत ऋतु की फसलें ङ्क रबी की फसलों की बुआई सामान्यतः अक्टूबर और नवम्बर के महीनों में होती है और इनकी कटाई अप्रैल से मई माह तक हो जाती है। रबी ऋतु की प्रमुख फसलें ङ्क गेहूं, जौं, चना, सरसों, मटर, बरसीम, रिजका?, हरा चारा, मसूर, आलू, राई,तम्बाकू, लाही, जई, अलसी और सूरजमुखी आदि। रबी ऋतु की फसलें की बुआई के समय कम तापमान की आवश्यकता होती है, इसलिए इनकी बुआई शीत ऋतु में की जाती है। वहीं इनके पकतने के लिए शुष्कन और गर्म वातावरण होना चाहिए।

खरीफ फसलें ङ्क भारतीय उपमहाद्वीप में जून-जुलाई में बुआई की जाने वाली फसलों को खरीफ की फसलें कहा जाता है। इन फसलों की कटाई अक्टूबर और नवंबर में माह में होती है। इनको बोते समय अधिक तापमान एवं आर्द्रता तथा पकते समय शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है। खरीफ की मुख्य फसलें ङ्क कपास, मूंगफली, धान, बाजरा, मक्का , शकरकन्दई, उर्द, मूंग, मोठ लोबिया (चंवला), ज्वाहर, अरहर, ढैंचा, गन्नात, सोयाबीन,भिण्डी, तिल, ग्वाबर, जूट, सनई आदि।

जायद की फसलों में शुष्क हवाएं और तेज गर्मी सहन करने की क्षमता होती हैं। इसलिए उत्तर भारत में मार्च-अप्रैल में जायद की फसलें बोई जाती हैं। इनकी कटाई जून में होती हैं। जायद की मुख्य फसलें ङ्क तरबूज, खीरा,खरबूजा ककड़ी, मूंग, उड़द, सूरजमुखी इत्यादि।

## भूमि उपयुक्तता के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

हल्की भूमि की फसलें ङ्क कुछ फसले ऐसी होती हैं जिनके लिए हल्की भूमि की आवश्यकती होती है। इन फसलों की हल्की भूमि में अच्छी वृद्धि होती हैं। इनमें प्रमुख फसलें हैं, बाजरा, मूंगफली आदि।

मध्यम भूमि की फसलें ङ्क सब्जियों और कुछ फलों की फसलों के लिए मध्यम भूमि की आवश्यकता होती है।

भारी भूमि की फसलें ङ्क कपास, धान आदि फसलों की वृद्धि और उपज भारी भूमि में अच्छी होती हैं।

## PSC प्रीलिम्स परीक्षा 2023 के लिए कृषि का महत्व

भारतीय भूगोल में भारत में कृषि एक महत्वपूर्ण विषय है। भारत की करीब 49त्न आबादी कृषि पर निर्भर है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र में 141 मिलियन हेक्टेयर शुद्ध बोया गया क्षेत्र है जबकि 195 मिलियन हेक्टेयर सकल फसली क्षेत्र है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान 14त्न है। कृषि भारत के लोगों की आय और धन के वितरण में काफी बड़ा योगदान करती है। साथ ही कृषि से लोगों को भोजन और पशुओं के लिए चारा जैसी आवश्यक वस्तुएं मिलती है। भारत में कई बड़े उद्योगों के लिए कच्चा माल का कृषि से प्राप्त होता है।

फसलों का जीवन चक्र

जीवन चक्र के आधार पर फसलों को तीन भागों में वर्गीक्रत किया गया है।

एक वर्षीय फसलें ङ्क जिन फसलों का जीवन चक्र एक वर्ष में या इससे कम समय में पूर्ण हो जाता है, उन्हे एक वर्षीय फसलें कहलाती है। एक वर्षीय प्रमुख फसलें हैं ङ्क सोयाबीन, गेहूं, जौ, धान, चना आदि।

द्वि वर्षीय फसलें ङ्क जिन फसलों का जीवन चक्र 2 साल या इससे कम समय में पूरा होता है, उन्हें द्वि वर्षीय फसलें कहा जाता है। इनमें पहले वर्ष वानस्सिक वृद्धि तथा द्वितीय वर्ष में उनमें फूल व बीज आदि का निर्माण होता हैं। प्रमुख द्वी वर्षीय फसलें हैं ङ्क गन्नी, चुकन्दर आदि।

बहु वर्षीय फसलें ङ्क जो फसलें दो या जो से अधिक वर्षों तक जीवित रहती हैं, उन्हें बहु-वर्षीय फसलें कहा जाता है। इन फसलों में जीवन चक्र में हर साल या एक वर्ष के अंतराल में फूल व फल लगते हैं। प्रमुख बहु वर्षीय फसलें हैं ङ्क नेपियर घास, लूसर्न आदि।

## फसलों का उपयोग के आधार पर वर्गीकरण

कवर क्रॉप्स ङ्क कवर क्रॉप्स ऐसी फसलों को कहा जाता है जो जमीन को ढंककर रखती हैं। कवर क्रॉप्स बरसात के सीजन में मिट्टी को कटाव से बचाती है। इसके अलावा ये मिट्टी की गुणवत्ता, उसकी उर्वरता, पानी, खरपतवार, कीटों, बीमारियों, जैव विविधता और वन्य जीवों को प्रबंधित करती हैं। कवर क्रॉप्स की बहुत तेजी से बढ़ती है, और इनकी जड़ें एक जाल की तरह मृदा में फंस जाती हैं जिससे मिट्टी का कटाव नहीं होता है।

प्रमुख कवर क्रॉप्स निम्नलिखित है ङ्कशकरकंद, लोबिया, उरद, मूंगफली, पैराग्रास आदि।

समोच्च फसलें ङ्क इस कृषि प्रणाली में फसलों को पंक्ति बनाकर ढलान के क्षेत्र रोपा जाता है। समोच्च फसलें भूमि तथा जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

नकदी फसलें ङ्क नकदी फसलों का उपयोग इनकी बिक्री कर तुरंत मुद्रा प्राप्त करने के लिए किया जाता है। जैसे ङ्क जूट, कपास, तम्बाकू, गन्ना चाय, कॉफी एवं रबर आदि। इन्हें व्यवसायिक फसलें या वाणिज्यिक फसलें भी कहा जाता है।

बागानी फसलें ङ्कभारत में बागानी फसलों के अंतर्गत कोकोआ, काजू, चाय, कॉफी, नारियल, ताड़, सुपारी एवं रबर आते हैं। इन फसलों के बड़े-बड़े बागान लगाए जाते हैं।

ट्रैप फसलें ङ्क इन फसलों को उगाकर मृदाजनित हानिकारक जीव जैसे परजीवी खरपतवार या कीट-पतंग को फंसाया जाता है। इन फसलों में ओरोबेंकी को सॉलेंसियस आदि के पौधे आते हैं।

ऊर्जा फसलें ङ्क एनर्जी क्रॉप्स को उर्जा जरुरतों को पूरा करने के लिए उगाया जाता है। भारत की प्रमुख उर्जा फसलें हैं ङ्क इथेनॉल, गन्ना ( एल्कोहॉल प्राप्त करने के लिए), आलू, मक्का, टपियोका, जटरोफा आदि।

आपातकालीन फसलें ङ्क आपातकालीन फसलें तब लगाई जाती है जब किसी प्राकृतिक आपदा के कारण मुख्य फसलें खराब हो जाती है। ये ऐसी फसलें होती जिनकों उगाकर आगामी ऋतु में फिर से सामान्य फसलें उगाई जा सकती है। ये अल्प अवधि की फसलें होती हैं, जो तेजी से बढ़ती है।

प्रमुख आपातकालिन फसलें हैं ङ्क प्याज, मूली, मूंग, उड़द, लोबिया आदि।

बार्डर या बैरियर क्रॉप्स ङ्क बॉर्डर या बैरियर क्रॉप्स को खेत के चारों और लगाया जाता है। इन फसलों को मुख्य फसलों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए लगाया जाता है। यें फसलें सामान्यतः खेत की मेढ़ पर लगाई जाती है, जिससे हवा की गति कम हो जाती है और इनमें लगे कांटे दूसरी जानवरों को फसलों तक जाने से रोकते हैं।

उदाहरण ङ्क चने की फसल की सुरक्षा के लिए खेत के चारों ओर कुसुम की फसलें उगाई जाती है।

कीट को आकर्षित करने वाली फसलें ङ्क इन फसलों को मुख्य फसल को कीट पतंगों और खरपतवारों से बचाने के लिए लगाया जाता है। कीट को आकर्षित करने वाली फसलों को सामान्यतः मुख्य फसलों के चारों ओर लगाया जाता है। उदाहरण ङ्क कपास की फसल को कीट पतंगो से बचाने के लिए उसके चारों ओर भिण्डी की फसल उगाई जाती हैं।

हरी खाद देने वाली फसलें ङ्क इन फसलों का उपयोग भूमि को हरी खाद देने के लिए उगाया जाता है। हरी खाद देने वाली प्रमुख फसलें हैं ङ्क सनई, ढैंचा आदि।

भूमि संरक्षण करने वाली फसलें ङ्क इन फसलों का रोपण भूमि के कटाव को रोकने के लिए किया जाता है। इनकी जड़ें अपने अंदर मिट्टी को फंसा लेती है और उसे बरसात के पानी में बहने से बचाती है। भूमि संरक्षण करने वाली प्रमुख फसलें हैं ङ्क मूंगफली, मूंग आदि।

अन्तवर्ती (अल्पकालिक) फसलें ङ्क ये फसलें दो फसलों के बीच के समय का सद्उपयोग करने के लिए लगाई जाती है। इस समय में अल्पकालिक फसल लगाई जाती है जैसे- उर्द, मूंग आदि।

सूचक फसलें ङ्क सूचक फसलें मिट्टी में पोषक पदार्थो कमी होने पर अपने ऊपर कमी के लक्षण दिखाने लग जाती है। इन फसलों को मिट्टी के पौषक तत्वों की पहचान करे के लिए लगाया जाता है। प्रमुख सूचक फसलें हैं ङ्क फूलगोभी, मक्का आदि।

## प्रकाश की अवधि के आधार पर फसलों का वर्गीकरण

कम अवधि के लिए प्रकाश चाहने वाली फसलें ङ्क कुछ पौधे, फूल तथा फल कम अवधि के लिए सूर्य की रोशनी चाहते हैं। इनके फूल और फल बनने और अच्छी वृद्धी के लिए कम समय तक रौशनी की आवश्यकता होती है, इसलिए इन्हें छोटे दिनों में उगाया जाता है। कम अवधि के लिए प्रकाश चाहने वाली फसलें हैं ङ्क सोयाबीन, ज्वार, बाजरा आदि।

अधिक अवधि का प्रकाश चाहने वाली फसलें ङ्क इन फसलों को दिन में अधिक समय तक प्रकाश की आवश्यकता होती हैं। इसलिए इनको बड़े दिनों में उगाया जाता है ताकि इनमें फूल और फलने की क्रिया ठीक से हो पाए। अधिक अवधि का प्रकाश चाहने वाली फसलें ङ्क बरसीम, जौ, मटर आदि।

प्रकाश निरप्रभावी फसलें ङ्क इन फसलों पर प्रकाश की अवधि का प्रभाव नहीं पड़ता हैं। इन फसलों की छोटे और बडे दोनो दिनों में अच्छी वृद्धि होती है। प्रकाश निरप्रभावी पौधे ङ्क टमाटर ।

## आर्थिक आधार पर फसलों का वर्गीकरण

नीचे फसलों को आर्थिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर वर्गीकृत किया गया हैं

**चारे की फसलें:** वरसीम, ग्वार, लोबिया आदि।

**रेशे वाली फसलें :** जूट, सनई, कपास आदि।

**तिलहनी फसलें :** मूगंफली, सरसों, सोयाबीन आदि।

**औषधि फसलें :** पुदीना, चायपत्ती आदि।

**जड़ वाली फसलें :** आलू, रतालू, मूली, गाजर आदि।

**चीनी देने वाली फसलें :** गन्ना, चुकन्दर आदि।

**मसाले वाली फसलें :** लहसुन, प्याज, अदरक, मिर्च, काली मिर्च, दालचीनी आदि।

**अनाज की फसलें :** गेहूं, जौ, धान आदि।

**मोटे अनाज की फसलें :** ज्वार, बाजरा और मक्का आदि।

**अन्य मोटे अनाज :** काकून, रागी, सोवा, चना आदि।

**दलहनी फसलें :** अरहर, चना, मूगं, मटर आदि।

भारत में फसल ऋतु के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

भारत में मुख्य क्रोप्पिंग सीजन कौन से हैं?

भारत में खरीफ, रबी और जायद तीन अलग-अलग फसल मौसम सीजन होते हैं। खरीफ का मौसम दक्षिण पश्चिम मानसून के साथ शुरू होता है, जिसके तहत चावल, कपास, जूट, ज्वार, बाजरा और तूर जैसी उष्णकटिबंधीय फसलों की खेती की जाती है।

## भारत की प्रमुख खाद्य फसल कौन सी है?

भारत में उगाई जाने वाली प्रमुख खाद्य फसलें, गेहूं, चावल, बाजरा, दालें, चाय, कॉफी, गन्ना, तिलहन, दलहन आदि है। नहर सिंचाई और नलकूपों की वृद्धि से अब पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ कम वर्षा वाले इलाकों में भी चावल आदि फसलें उगाना संभव हो गया है।

देश की विशाल और विविध जलवायु और मिट्टी की स्थिति विभिन्न प्रकार की फसलों के लिए उपयुक्त वातवरण बनाती है। भारत में सभी उष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय और समशीतोष्ण फसलें उगाई जाती हैं। भारत में कुल फसली क्षेत्र के 2/3 भाग में खाद्य फसलों की खेती की जाती है।

## संक्षिप्त समाचार

### फुटबॉल

### मैनचेस्टर यूनाइटेड ने जीता एफए कप, गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से दी शिकस्त

**नईदिल्ली, एजेंसी।** मैनचेस्टर यूनाइटेड ने गत विजेता मैनचेस्टर सिटी को 2-1 से शिकस्त देते हुए एफए कप फुटबाल का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही यूनाइटेड ने अगले सत्र के लिए यूरोपा लीग के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। फाइनल पिछले साल की पुनरावृत्ति थी जिसे सिटी ने 2-1 से जीता था। यूनाइटेड के लिए एजेजांद्रो (30वां मिनट) और कॉबी मेनू (39वां मिनट) ने गोल किए। सिटी के लिए गोल जेरेमी ने 87वें मिनट में किया। यूनाइटेड का यह 13वां एफए कप है। रिकॉर्ड आर्सेनल (14 एफए कप) के नाम है।

### बाबर आजम टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने, रोहित शर्मा को छोड़ा पीछे

**बर्मिंघम (यूके)एजेंसी।** पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने भारत के कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए टी20 में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। बाबर ने एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ पाकिस्तान के दूसरे टी20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच की दूसरी पारी में बाबर ने औसत प्रदर्शन किया। उन्होंने 123.08 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों पर 32 रन बनाए और रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। उन्होंने 4 चौके लगाए लेकिन उनके प्रयास मेन इन ग्रीन को जीत दिलाने में मदद नहीं कर सके। टी20 में रोहित ने 151 मैच और 143 पारियां में 139.97 की स्ट्राइक रेट से 3974 रन बनाए। वहीं बाबर ने 118 मैचों और 111 पारियों में 129.91 की स्ट्राइक रेट से 3987 रन बनाए। रोहित और बाबर से आगे सिर्फ भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली हैं। कोहली फिलहाल 4037 रनों के साथ टी20आई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। मैच की बात करें तो कप्तान जॉस बटलर (87) और विल जैक्स (37) की शानदार बल्लेबाजी और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन दम पर इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रन से हरा दिया है। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट जल्द ही गवां थे।

मोहम्मद रिजवान (शून्य) और सईम अयूब (2) रन बनाकर आउट हुए। ऐसे सकंट के समय कप्तान बाबर आजम और फखर जमान ने पारी को संभाला। बाबर आजम 26 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। फखर जमान ने 21 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुये 45 रनों की पारी खेली।

**पावर लिफ्टिंग में जीते दो स्वर्ण पदक**

# इंग्लैंड में रजवंत कौर ने बढ़ाया तिरंगे का मान

**चंडीगढ, एजेंसी।** देश की बटी रजवंत कौर ने इंग्लैड में दो स्वर्ण पदक जीत कर तिरंगे का मान बढ़ाया है। ब्रिटिश पावर लिफ्टिंग फेडरेशन और वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग यूनियन की ओर से आयोजित ब्रिटिश इंटरनेशनल पावर लिफ्टिंग चैंपिशनशिन रॉ में रजवंत ने यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 115 किलोग्राम भार वर्ग और 55 किलोग्राम वेट क्लास कैटेगरी में देश को मेडल दिलवाए है।

प्रतियोगिता में वह भारत का प्रतिनिधित्व कर रही थी। पावर लिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से उन्हें इंग्लैंड में होनी वाली इस प्रतियोगिता के लिए चुना गया था। उन्होंने दो स्वर्ण पदक जीत कर देश का नाम रोशन करने के साथ-साथ फेडरेशन के पदाधिकारियों की ओर से उन पर जताए विश्वास पर खरी उतरी। पावर लिफ्टिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कैप्टन जगप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय इंग्लैंड में इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने गई थी। रजवंत मोहाली के खरड़ में रहती है, उनके पिता सुमेंद्र सिंह पेशे से किसान थे और उनकी मृत्यू हो चुकी है। उ

नके पिता भी चाहते थे कि वह देश का नाम रोशन करें जो आज रजवंत ने करके दिखा दिया है। अध्यक्ष जगप्रीत ने रजवंत की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी और कहा कि उन्होंने अपने सिलेक्शन को सफल बनाया है। उन्होंने प्रतियोगिता में दिखाया है कि देश की बेटी भी मेडल लेकर आ सकती है।

वहीं रजवंत से अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच, फेडरेशन और अपनी मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि फेडरेशन ने उन पर विश्वास जताया और वह उस पर खरी उतरी। विदेश में तिरंगे का मान बढ़ाने की खुशी सबसे बड़ी है। इस प्रतियोगिता में दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही रजवंत ने 29-30 जून को स्पेन में होने वाले वर्ल्ड कप में भी जगह बना ली है। रजवंत ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह इस विश्वकप में भी अपने प्रदर्शन को दोहराएंगी और देश के लिए मेडल जीत कर आएंगी।

#### ग्रेट खली ने बधाई दी

मेडल जीतने पर पूर्व डब्ल्यूडब्ल्यूई और वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन ग्रेट खली ने भी रजवंत से मिलकर उन्हें बधाई दी। खली ने कहा कि सफलता की पूंजी सिर्फ मेहनत है। मेडल जीत कर आने पर रजवंत का फेडरेशन के अधिकारियों के अलावा उनके रिश्तेदारों ने उनका जोरदार स्वागत किया गया।

# बांग्लादेश तीसरा टी-20 यूएसए से 10 विकेट से जीता

- मुस्तफिजुर ने लिए 6 विकेट
- सौम्य-तांजिद के बीच 108 रन की साझेदारी

**ह्यूस्टन, एजेंसी।** बांग्लादेश ने यूएसए को आखिरी टी-20 मैच में 10 विकेट से हराया। वर्ल्ड कप से पहले यूएसए दौरे पर गई बांग्लादेश को तीन टी-20 मैचों की शुरुआती दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। ह्यूस्टन के प्रेयरी व्यू क्रिकेट कॉम्पलेक्स में खेले गए तीसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। यूएसए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 108 रन बनाए। वहीं 109 रन का टारगेट का पीछा करने उतरी बांग्लादेश ने बिना विकेट खोए 11.4 ओवर में इसे हासिल कर लिया। बांग्लादेश की ओर से मुस्तफिजुर रहमान ने 6 विकेट लिए। यूएसए ने तीन टी-20 मैचों की सीरीज को 2-1 से जीत लिया है।

यूएसए की शुरुआत अच्छी रही। ओपनर शायान जहांगीर और एंड्रीज गौस ने पहले विकेट के लिए 46 रन की साझेदारी की।एंड्रीज शाकिब अल हसन की गेंद पर सौम्या सरकार को कैच देकर पवेलियन लौट गए। एंड्रीज ने 15 गेंदों का सामना कर 27 रन बनाए। वे यूएसए के टॉप स्कोरर रहे। उनके आउट होने के बाद शायान भी चलते बने। उसके बाद 56 रन पर तीसरा और 60 रन के स्कोर पर चौथा और पांचवा विकेट गिरा। मुस्तफिजुर ने सबसे पहले गौस को आउट करके उनकी और शायान की मजबूत होती दिख रही साझेदारी को खत्म किया।

#### मुस्तफिजुर ने 10 रन दिए, 6 विकेट लिए

बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने यहां रिकॉर्ड तोड़ गेंदबाजी की। उन्होंने अपने चार ओवर के स्पैल में महज 10 रन देकर छह विकेट हासिल किए। इस दौरान उनका इकनोमी रेट 2.40 रहा। वह टी-20 में ऐसा करने वाले बांग्लादेश के पहले गेंदबाज रहे। मुस्तफिजुर इससे पहले 2015 में वनडे में भारत के खिलाफ 43 रन देकर 6 विकेट ले चुके हैं।

# मैं भारतीय टीम का कोच पद संभालने के लिए इच्छुक नहीं : हसी

**पर्थ, एजेंसी।** पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के बाद अब पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर माइकल हसी ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का कोच पद संभालने से इंकार किया है। उन्होंने कहा

कि वह जीवन के इस चरण में इस पर विचार करने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं।

गत 13 मई को बीसीसीआई ने शीर्ष पद के लिए राहुल द्रविड़ के उत्तराधिकारी पद के लिए आवेदन आमंत्रित किये थे जिसकी समय सीमा 27 मई थी। अगला भारतीय कोच एक जुलाई 2024 से 31 दिसंबर 2027 तक नियुक्त किया जाएगा। हसी ने आईपीएल 2024 में हाल ही में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ सहायक कोच का कार्यकाल समाप्त किया था। वह द हंड्रेड में वेल्श फायर के भी कोच हैं और ऑस्ट्रेलिया के घरेलू समर में फॉक्स क्रिकेट में भी कमेंटेटर हैं। हसी ने कहा,भारत दुनिया में किसी अन्य देश से ज्यादा क्रिकेट खेलता है। वे एक के बाद एक दौरा करते रहते हैं। यह आपके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहता है। आईपीएल आठ से दस सप्ताह रहता है जबकि शेष वर्ष आपको टीम के साथ रहना पड़ता है।

हसी ने कहा, मैं अपने जीवन के इस चरण में ऐसे पद के लिए इच्छुक नहीं हूं। मैं एक सहायक या प्रमुख कोच की भूमिका से खुश हूं और थोड़ा बहुत मीडिया वर्क भी करता हूं। मैं कुछ समय घर में गुजार लेता हूं। आप हमेशा घर पर ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं। मेरा काफी व्यस्त कार्यक्रम है।

स्टीफन फ्लेमिंग का नाम भारतीय कोच पद के लिए उछाले जाने के बारे में पूछने पर हसी ने कहा, इससे पता चलता है कि विश्व स्तर पर उनका कितना सम्मान किया जाता है लेकिन मुझे नहीं लगता कि वह इस विचार को पसंद करेंगे।

राजस्थान रॉयल्स का आईपीएल अभियान क्वालीफायर दो में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 36 रन की हार के साथ समाप्त हो जाने के बाद उनके क्रिकेट निदेशक और श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा ने भी खुद को भारतीय कोच पद की होड़ से बाहर कर लिया है।

**एफआईएच प्रो लीग**

# भारत की पुरुष हॉकी टीम को शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से शिकस्त, लगातार दूसरी हार से मायूसी

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच प्रो लीग में 2-2 की बराबरी के बाद शूटआउट में बेल्जियम से 1-3 से हार मिली। अराईजीत सिंह ने 11वें मिनट में बढ़त दिला दी पर फेलिक्स ने 30वें मिनट में स्कोर 1-1 कर दिया। फ्लोरेंट (50वें मिनट) ने बेल्जियम को बढ़त दिलाई पर सुखजीत (57वें मिनट) में स्कोर 2-2 कर दिया। शूटआउट में सुखजीत ही भारत के लिए गोल कर सके जबकि विवेक सागर, अभिषेक और अराईजीत चूक गए। इस बीच महिला टीम को प्रो लीग के बेल्जियम से 1-2 से हार मिली। बेल्जियम के खिलाफ यह टीम की लगातार दूसरी हार है।

दुनिया में छठे नंबर पर मौजूद भारत एक अंक लेने के चक्कर में शूटआउट में 1-3 से हार गया। तीसरे नंबर पर काबिज बेल्जियम ने दो अंक हासिल किए, जिसमें शूटआउट जीतने का बोनस अंक भी शामिल है। अराईजीत सिंह हुंदल ने 11वें मिनट में बेहतरीन फील्ड गोल करके भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन फेलिक्स डेनेयर (30वें मिनट) ने हाफ टाइम से कुछ सेकंड पहले पेनल्टी कॉर्नर पर बराबरी हासिल कर ली। फ्लोरेंट वान औबेल ने 50वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके बेल्जियम को पहली बार मैच में आगे पहुंचाया, लेकिन सुखजीत सिंह (57वें) ने निर्धारित समय खत्म होने से तीन मिनट पहले स्कोर बराबर कर दिया। शूटआउट में भारत के लिए केवल सुखजीत सिंह ने गोल किया, जबकि विवेक सागर प्रसाद, अभिषेक और अरजीत सिंह हुंदल चूक गए। बेल्जियम के लिए विलियम घिसलेन, फ्लोरेंट वान ऑबेल और गौथियर बोकार्ड ने लक्ष्य हासिल किया जबकि आर्थर डी स्लोओवर चूक गए।

भारत शुक्रवार को अपने पहले मैच में बेल्जियम से 1-4 से हार गया था। इससे पहले हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने बुधवार को शूटआउट में अर्जेंटीना को 5-4 से हराया था। यह बेल्जियम की आक्रामक गोलकीपिंग ही थी जिसने उन्हें रोमांचक मुकाबले में पहुंचाया लेकिन भारत अपनी पिछली हार का बदला नहीं ले सका। अब रविवार को भारत अर्जेंटीना के खिलाफ खेलने उतरेगा।

# बटलर की फिफ्टी से जीता इंग्लैंड

- पाकिस्तान को दूसरे टी-20 में 23 रन से हराया, 385 दिन बाद वापसी कर रहे ऑर्चर को 2 विकेट

**बर्मिंघम, एजेंसी।** बर्मिंघम के मैदान पर शुक्रवार को पाकिस्तान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इंग्लैंड ने बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 183 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान 19.2 ओवर में 160 रन पर सिमट गई। जोस बटलर के अर्धशतक के अलावा विल जैक्स ने 37 रन की पारी खेली। वहीं, बॉलर रीस टॉपली ने 3 और 385 दिन बाद वापसी कर रहे जोफ्रा आर्चर ने 2 विकेट लिए। पाकिस्तान के लिए फखर जमान ने सबसे ज्यादा 21 बॉल में 45 रन बनाए। वहीं, शाहिन शाह अफरीदी ने 3 विकेट लिए। पहला मुकाबला बारिश में धुल गया था। सीरीज में इंग्लैंड ने 1-0 से लीड बना ली है।

#### इंग्लैंड की शुरुआत खराब, जैक्स-बटलर का अर्धशतक

इंग्लैंड ने फॉर्म में चल रहे सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट सिर्फ 13 रन बनाकर आउट हुए। 25 रन पर पहला विकेट गिर गया। इसके बाद, विल जैक्स और जॉस बटलर की पावर-पैक जोड़ी ने पारी को आगे बढ़ाया। बटलर और जैक्स ने साथ 71 रन की साझेदारी की और 10 ओवर के बाद इंग्लैंड को 96/1 पर ला दिया। इसके बाद, जॉनी बेयरस्टो और बटलर के बीच 48 रन की पार्टनरशिप हुई। बेयरस्टो ने को 18 गेंदों में एक चौके और दो छक्कों की मदद से 21 रन बनाए। आखिरी ओवर्स में इंग्लैंड के बैटर्स बड़े हिट नहीं लगा सके, और टीम के विकेट गिर चुके है।

## व्यापार

### डिफेंस कंपनी भारत डायनामिक्स को मिल सकती है 7000 करोड़ की डील

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बीते कुछ दिनों से स्टॉक मार्केट में डिफेंस कंपनी के शेयर ताबड़तोड़ रिटर्न दे रहे हैं। इसमें सरकार का डिफेंस सेक्टर में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की योजना भी बड़ा कारण हो सकती है। इस लिस्ट में भारत डायनामिक्स लिमिटेड भी शामिल है। बीते कुछ दिनों से भारत डायनामिक्स के शेयर बीएसई पर ताबड़तोड़ अपर सर्किट मार रहे हैं। कंपनी के शेयर हफ्ते की आखिरी कारोबार दिन यानी शुक्रवार को 17 पर्सेंट से अधिक तक चढ़ गए। हालांकि, यह डिफेंस स्टॉक शुक्रवार को 8.59 पर्सेंट की तेजी के साथ 1527.50 रुपये पर बंद हुए। अब कई मीडिया रिपोर्ट्स दावा कर रहे हैं कि भारत डायनॉमिक्स लिमिटेड एयरफोर्स के एयरक्राफ्ट अपग्रेड के लिए 7,000 करोड़ रुपये की डील मिल सकती है।

कई मीडिया रिपोर्ट्स में छपी खबर के अनुसार भारत डायनामिक्स लिमिटेड को तेजस द्वद्म1 अल्फा एयरक्राफ्ट के अपग्रेड का टेंडर मिल सकता है। भारतीय एयरफोर्स में शामिल होने वाली 150 तेजस एयरक्राफ्ट के फर्स्ट वेरिएंट के अपडेट का टेंडर निकला है। इसके लिए भारत डायनामिक्स लिमिटेड को 6,500 से 7,000 करोड रुपये की डील मिलने की संभावना है। हालांकि, दूसरी बड़ी डिफेंस कंपनियां भी इस डील की बड़ी दावेदार हैं। इस काम में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और कंपनियां भी काम करने वाली हैं। इन कंपनियों को 5 से 6 साल में तेजस द्वद्म1 अल्फा एयरक्राफ्ट के अपग्रेड का कामकाज पूरा करना होगा।

### ब्राजील, कनाडा, यूरोपीय संघ ने भारत से डब्ल्यूटीओ में चीनी सब्सिडी की अधिसूचना समय पर देने को कहा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** ब्राजील, कनाडा और यूरोपीय संघ सहित डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों के एक समूह ने भारत से आग्रह किया है कि वह चीनी सब्सिडी की अधिसूचना समय से दे। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। यह मुद्दा 23-24 मई को जिनेवा में डब्ल्यूटीओ की कृषि समिति की बैठक के दौरान चर्चा में आया। ये देश भी भारत की तरह प्रमुख चीनी निर्यातक हैं और उनका आरोप है कि भारत के समर्थन उपाय वैश्विक चीनी व्यापार को विकृत करते हैं। जिनेवा स्थित अधिकारी ने कहा कि ब्राजील, कनाडा, कोस्टा रिका, पैराग्वे, न्यूजीलैंड, यूरोपीय संघ और ग्वाटेमाला ने भारत से सब्सिडी की अधिसूचना समय से देने का आग्रह किया है। भारत ने कहा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने न तो किसानों को गन्ने का भुगतान किया और न ही उनसे गन्ना खरीदा। सभी खरीद निजी चीनी मिलों ने की थी। इसलिए, यह जानकारी घरेलू समर्थन की अधिसूचना में शामिल नहीं की गई थी। यह चर्चा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2022 में भारत ने डब्ल्यूटीओ के व्यापार विवाद निपटान पैनल के एक फैसले के खिलाफ अपील की थी। इस फैसले में कहा गया था कि चीनी और गन्ने के लिए देश के घरेलू समर्थन उपाय वैश्विक व्यापार मानदंडों के साथ असंगत हैं। भारत ने डब्ल्यूटीओ के अपीलीय निकाय में अपील दायर की थी, जो ऐसे व्यापार विवादों पर अंतिम प्राधिकरण है।

### हीरो फिनकॉर्प पर आरबीआई ने लगाया 3.1 लाख रुपए का जुर्माना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक ने हीरो ग्रुप की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी हीरो फिनकॉर्प पर लाखों का जुर्माना ठोका है। आरबीआई ने इस एनबीएफसी पर कुल 3.10 लाख रुपए का जुर्माना ठोका है। कंपनी पर आरबीआई ने फेयर प्रैक्टिस कोड से जुड़े कुछ नियमों का पालन नहीं करने के कारण यह पेनल्टी लगाई है। रिजर्व बैंक ने इस बारे में कहा कि कंपनी पर रेगुलेटरी कारणों से कार्रवाई की गई है। इस जुर्माने का ग्राहकों पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा।

#### लोन की शर्तें ठीक से नहीं समझाने का आरोप

रिजर्व बैंक ने बयान में कहा कि हीरो फिनकॉर्प ने अपने ग्राहकों को उनकी लोकल भाषा में लिखित तौर पर कर्ज के नियम और शर्तों को नहीं समझाया। आरबीआई के नियमों के अनुसार किसी भी बैंक और एनबीएफसी को किसी भी ग्राहक को लोन देने के लिए लोकल भाषा में लिखित तौर पर सभी नियमों को समझाना आवश्यक है। कंपनी के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद आरबीआई ने 31 मार्च 2023 को कंपनी का निरीक्षण किया था।

रिजर्व बैंक ने कंपनी के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद पहले उसे कारण बताओ नोटिस जारी किया था लेकिन आरबीआई कंपनी के जवाब से संतुष्ट नहीं हो पाया। उसके बाद केंद्रीय बैंक ने इस एनबीएफसी पर 3.10 लाख रुपए का जुर्माना ठोका।

# डिजिटल पेमेंट में नंबर 1 है भारत, फिर ऐपल को दिल्ली-मुंबई में लगानी पड़ी नोट गिनने की मशीन

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत डिजिटल पेमेंट के मामले में दुनिया में नंबर वन है लेकिन आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल को भारत में अजीब समस्या का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी ने पिछले साल अप्रैल में दिल्ली और मुंबई में अपने स्टोर खोले थे। लेकिन बड़ी संख्या में ग्राहक ऑनलाइन पेमेंट करने के बजाय कैश पेमेंट करना पसंद करते है। इस कारण कंपनी को दोनों स्टोर्स में नोट गिनने वाली मशीनें लगानी पड़ी। सूत्रों के मुताबिक भारत में अमेरिकी कंपनी के दो स्टोर्स में होने वाली कुल बिक्री में 7-9 प्रतिशत हिस्सा नकद भुगतान का है। अमेरिका या यूरोपीय देशों में कंपनी के स्टोर्स पर कैश पेमेंट की हिस्सेदारी एक फीसदी से भी कम है। कई

स्टोर्स में तो कैश पेमेंट जीरो है। लेकिन भारत में ग्राहक अब भी मोबाइल फोन या कंप्यूटर खरीदने के लिए नकदी के बंडल लेकर स्टोर पर आते रहते हैं। सूत्रों का कहना है कि सवाल-जवाब वाली सोशल वेबसाइट क्यूरा लोग इस तरह के सवाल पूछते हैं कि क्या भारत में ऐपल के स्टोर्स पर कैश में पेमेंट किया जा सकता है। एक सूत्र ने बताया कि ऐपल के दिल्ली स्टोर में नकद भुगतान करने वाले ग्राहकों की संख्या मुंबई की तुलना में ज्यादा है। भारत में दोनों स्टोर्स की रिपोर्टिंग लाइन सीधे अमेरिका में ऐपल रिटेल टीम को है। वे ऐपल इंडिया के सेल्स ऑपरेशन को रिपोर्ट नहीं करते हैं। उनकी सेल्स ग्लोबल फाइनेंशियल रेकॉर्ड्स में भी शामिल है। हालांकि, ऐपल भारत में कैश पेमेंट्स की समस्या से जूझने वाली अकेली कंपनी नहीं है। सरकार ने 2017 से प्रति व्यक्ति रोजाना दो लाख रुपये नकद लेनदेन की सीमा लागू की है। इसका उद्देश्य डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करना और काले धन पर अंकुश लगाना है। भारत में डिजिटल ट्रांजैक्शन में बढ़ोतरी के बावजूद कैश इन सर्कुलेशन में भी भारी तेजी देखी गई है। मार्च 2017 में यह 13.35 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2023 में 35.15 लाख करोड़ रुपये हो गई है। यह स्थिति तब है जबकि देश में यूपीआई के माध्यम से डिजिटल भुगतान में पर्याप्त वृद्धि हुई है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2023 के अंत तक 19.64 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो मार्च 2017 में 2,425 करोड़ रुपये थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन का अनुमान है कि भारत में 15 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक कारों की खरीद लोग अपने पैसों से करते हैं। यहां तक कि लग्जरी गाड़ियों को खरीदने के लिए भी लोग दो लाख रुपये तक का नकद भुगतान करते हैं। बाकी रकम का भुगतान विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। इनमें अकाउंट पेयी चेक, बैंक ड्राफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सिस्टम, नेट बैंकिंग या डेबिट कार्ड शामिल हैं।

## 27 साल बाद पर्दे पर फिर जमेगी काजोल-प्रभु देवा की जोड़ी

अभिनेत्री काजोल और फिल्म निर्माता-अभिनेता प्रभु देवा के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। 27 साल बाद यह जोड़ी एक बार फिर बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रही है। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेन गुप्ता और आदित्य सील जैसे कलाकार भी होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान चरण तेज उप्पलपति संभालेंगे। फिल्म से उप्पलपति का बॉलीवुड डेब्यू होगा। यह पहली बार होगा जब काजोल नसीरुद्दीन के साथ काम करेंगी। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। अब मेकर्स जल्द ही फिल्म का टीजर रिलीज करने की तैयारी में हैं। महत्वाकांक्षी फिल्म के निर्माता हर संभव कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने अपनी विशेषज्ञता के लिए जवान के सिनेमैटोग्राफर जीके विष्णु और पुष्पा 2 के संपादक नवीन नूली को भी शामिल किया है। निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना ने इसकी पटकथा लिखी है। फिल्म का म्यूजिकल ट्रैक हर्षवर्धन रामेश्वर द्वारा तैयार किया जाएगा, जो पहले संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल पर काम कर चुके हैं। रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई, इसके संगीत ने दर्शकों के दिलों पर राज किया। कथानक और फिल्म के शीर्षक से संबंधित अन्य विवरण गुप्त रखे गए हैं। निर्माताओं को भरोसा है कि स्टार कलाकारों और शीर्ष तकनीकी दल का संयोजन इस एक्शन तमाशे को सबसे प्रतीक्षित आगामी रिलीज में से एक बना देगा।

काजोल और प्रभु देवा की बात करें तो दोनों ने राजीव मेनन की साल 1997 की तमिल भाषा की फिल्म मिनसारा कनवु में एक साथ काम किया था। यह फिल्म, जिसमें अरविंद स्वामी भी थे, बहुत बड़ी हिट रही। बाद में इसका हिंदी डब संस्करण सपना नाम से जारी किया गया। इसमें लोकप्रिय गाना चंदा रे को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

काम के मोर्चे पर, काजोल को आखिरी बार लस्ट स्टोरीज 2 के एक एपिसोड में देखा गया था। आगामी दिनों में काजोल कई और बेहतरीन फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें कृति सेनन के साथ दो पत्ती, इब्राहिम अली खान और पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ सरजमीं शामिल हैं। काजोल की पाइपलाइन में एक हॉरर फिल्म मां भी है जो फिलहाल निर्माणाधीन है। इस बीच, प्रभु देवा फिल्म द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम पर काम कर रहे हैं, जिसमें दलपति विजय मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म इसी साल सितंबर महीने में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

# बॉलीवुड में एंट्री मारने वाली हैं संयुक्ता मेनन

**दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियां बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर चुकी हैं। इसके उलट बॉलीवुड कलाकार भी साउथ की फिल्मों में एंट्री मार रहे हैं। इसी सिलसिले में अब एक और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हिंदी सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में काजोल भी काम करेंगी।**

### संयुक्ता करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में काजोल, नसीरुद्दीन शाह और प्रभु देवा भी काम करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म से डेब्यू केवल संयुक्ता का ही नहीं होगा, बल्कि चरण तेज उप्पलपति की भी यह पहली हिंदी फिल्म होगी, जिसका वो निर्देशन करेंगे। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी।

### फिल्म से जुड़े कई बड़े नाम

रिपोर्ट्स की मानें तो अलग-अलग क्षेत्रों के कई बड़े चेहरे इस फिल्म से जुड़ चुके हैं। इनमें अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म पुष्पा 2 के एडिटर नवीन नूली, रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल के संगीत निर्देशक हर्षवर्धन रामेश्वर और शाहरुख खान और नयनतारा की सुपरहिट फिल्म जवान के डीओपी जीके विष्णु के नाम शामिल हैं।

### मलयालम फिल्म से किया था संयुक्ता ने डेब्यू

संयुक्ता ने मलयालम फिल्म पॉपकोर्न से अभिनय करियर की शुरुआत की थी। वो मुख्यतः तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने बिंबिसार, भीमला नायक और विरुपाक्ष समेत कई फिल्मों में अहम भूमिका निभाई है। अब देखना होगा कि संयुक्ता का बॉलीवुड डेब्यू कैसा रहेगा और दर्शक उनके काम को पसंद करेंगे या नहीं।

## दे दे प्यार दे 2 से बाहर हुए अनिल कपूर

दे दे प्यार दे 2 की घोषणा के बाद से ही फिल्म को लेकर काफी उम्मीदें हैं। जहां अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह फिल्म की सीक्वल के लिए फिर से साथ आने के लिए तैयार हैं। वहीं चर्चा थी कि अनिल कपूर को भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए चुना गया है। हालांकि, अब जानकारी सामने आई है कि अनिल कपूर ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। साथ ही इसके पीछे के मुख्य कारण का भी खुलासा हो गया है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, अनिल कपूर ने दे दे प्यार दे 2 के ऊपर वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को चुना है। रिपोर्ट के अनुसार, दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म में अनिल कपूर की शूटिंग की तारीखों के साथ ओवरलैप हो गया। जानकारी है, अनिल कपूर दे दे प्यार दे 2 करना चाहते थे, लेकिन वाईआरएफ के साथ उनकी प्रतिबद्धता दीर्घकालिक है, जिसमें आदित्य चोपड़ा द्वारा डिजाइन की गई प्रसिद्ध स्पाई यूनिवर्स की कई फिल्में शामिल हैं। जब उन्हें दोनों में से किसी एक को चुनना था, तो उन्होंने आगामी स्पाई फिल्म्स में रॉ के प्रमुख के रूप में काम करना चुना।

मीडिया रिपोर्ट में आगे कहा गया है, जून में अनिल कपूर अपने डिजिटल कार्यकाल सूबेदार की भी शूटिंग करते नजर आएंगे। बहुत सारी ओवरलैपिंग थी और इसलिए उन्होंने डीडीपीडी 2 से अलग होने का फैसला किया।

## खतरों के खिलाड़ी के लिए कठोर तैयारी कर रहीं हैं कृष्णा श्रॉफ

कृष्णा श्रॉफ इस वक्त खतरों के खिलाड़ी 14 को लेकर चर्चा में हैं। रोहित शेट्टी के इस स्टंट शो में कृष्णा बतौर प्रतिभागी स्टंट करती नजर आएंगी। कृष्णा खतरों से खेलने को पूरी तरह तैयार हैं और इसके लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। कृष्णा ने आज अपनी इंस्टा स्टोरीज पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, इसमें वे जिम में कठिन वर्कआउट करती नजर आ रही हैं। कृष्णा फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन वे फिटनेस की दुनिया में राज करना चाहती हैं और पिछले कुछ साल से उसी में काम कर रही हैं। पहली बार वे छोटे पर्दे के किसी शो में नजर आने वाली हैं, दर्शक भी उत्साहित हैं।

## पिता नवाजुद्दीन के नक्शेकदम पर चलीं बेटी शोरा

**हमेशा अपनी निजी जिंदगी को निजी रखने के लिए मशहूर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में, अपनी बेटी शोरा के साथ इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने निजी जीवन की झलक दिखा रही हैं, जिसे अक्सर लाइमलाइट से दूर रखा जाता है।**

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में चलते रहते हैं। अभिनेता की निजी जिंदगी अक्सर विवादों का शिकार होती रहती है। हालांकि, अब नवाज ने की बेटी शोरा का एक क्यूट वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेता की बेटी रैंप वॉक करती नजर आ रही है।

### नवाज ने साझा की बेटी की वीडियो

हमेशा अपनी निजी जिंदगी को निजी रखने के लिए मशहूर अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हाल ही में, अपनी बेटी शोरा के साथ इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपने निजी जीवन की झलक दिखा रही हैं, जिसे अक्सर लाइमलाइट से दूर रखा जाता है। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनकी बेटी शोरा एक अनुभवी मॉडल की तरह रनवे पर डांस करती नजर आ रही हैं।

### प्रशंसकों का मिला प्यार

क्लिप में, शोरा शानदार तरीके से डांस करती नजर आ रही हैं, जिससे उनके पिता नवाज उन्हें अपना इन-हाउस मॉडल कहते हैं। वीडियो उनके रिश्ते के प्यार को बयां कर रहा है। अभिनेता का यह वीडियो उनके फैंस को काफी पसंद आ रहा है। एक यूजर ने लिखा, कोई भी आदमी जब पिता बनता है तो कितना बदल जाता है। दूसरे यूजर ने लिखा, नवाज आज बेहद खुश लग रहे हैं। एक पिता को ऐसा ही होना चाहिए। अपनी बेटी का हौसला बढ़ाना चाहिए। वहीं, एक और यूजर ने लिखा, बेटी हर पिता की राजकुमारी होती है। नवाज को खुश देख अच्छा लग रहा है।

### अभिनेत्री बनना चाहती हैं शोरा

यह पहली बार नहीं है जब नवाजुद्दीन ने अपनी बेटी से जुड़ी कोई खास याद सोशल मीडिया पर पोस्ट की हो। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी बेटी के साथ बिताए पलों को कैद करके शेयर करते रहते हैं। इससे पहले एक साक्षात्कार में अभिनेता ने बताया था कि शोरा उनके नक्शे कदम पर चलना चाहती हैं और अभिनय को पेशे के रूप में अपनाना चाहती हैं।

## खुद से प्यार करना सीख रही हैं थैंक्यू फॉर कमिंग स्टार डॉली

कंटेंट निर्माता और अभिनेत्री डॉली सिंह अक्सर अपने इंस्टाग्राम पोस्ट्स की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक पोस्ट साझा किया है। उस पोस्ट में डॉली सिंह ने अपने शारीरिक असुरक्षाओं की भावना का जिक्र किया है। साथ ही साथ उन्होंने ट्रोल्स को भी करारा जवाब दिया है।

### लोग अपनी हद भूल जाते हैं

डॉली सिंह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल से पोस्ट साझा करते हुए लिखा था, मैं अपनी जिंदगी में लंबे अरसे तक अपने शरीर से नफरत करती रही। मैंने हमेशा खुद को दूसरों की नजरों से देखने की कोशिश की, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करती हूं। मैं जो हूं जैसी हूं खुद से अब प्यार करना सीख गई हूं। मेरा वजन घटता-बढ़ता रहता है और अब मैं इसे लेकर परेशान नहीं होती हूं। हां, लोग जरूर परेशान हो जाते हैं। इंडस्ट्री में बाहरी सुंदरता मायने रखती है डॉली सिंह आगे कहती हैं, हम जिस इंडस्ट्री का हिस्सा हैं वहां लुक्स बहुत मायने रखता है। आप पर हमेशा एक दवाब बना रहता है कि आप अच्छे दिखें। ऐसे में जब लोग लुक्स और वजन को लेकर ट्रोल करते हैं तब बहुत दवाब महसूस होने लगता है, लेकिन मैं लगातार खुद को याद दिलाती रहती हूं कि मुझे खुद को किसी और की नजर से देखने की जरुरत नहीं है।

### रिश्तेदार और दोस्त टोकते हैं

डॉली सिंह को लाखों लोग इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हैं। वे थैंक्यू फॉर कमिंग में अपने अभिनय का जलवा दिखा चुकी हैं। डॉली कहती हैं, मेरे इंस्टाग्राम के फॉलोवर्स हमेशा मेरे लुक्स की तारीफ करते हैं, लेकिन मेरे रिश्तेदार और दोस्त अपनी सीमा भूल जाते हैं। उनकी व्यक्तिगत टिप्पणियां कई बार मेरे मनोबल को तोड़ देती हैं, लेकिन अब मैं ऐसे लोगों से निपटना सीख रही हूं।

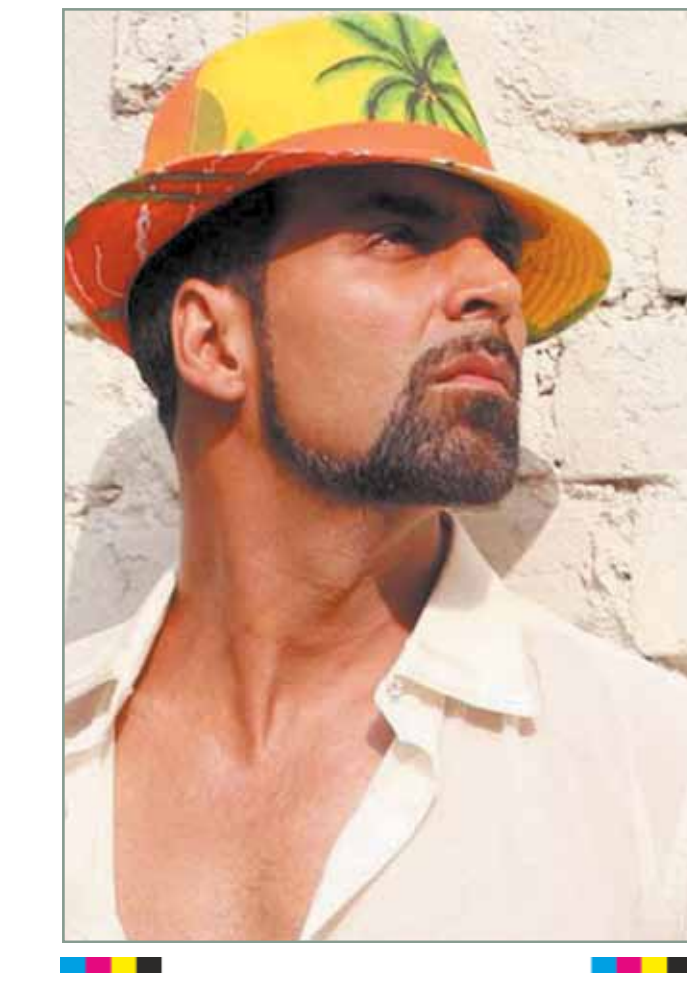

## कनप्पा के साथ तेलुगु डेब्यू को तैयार अक्षय कुमार, बॉलीवुड के ये अभिनेता भी दिखा चुके हैं कमाल

**अक्षय कुमार न केवल बॉलीवुड अभिनेता हैं, बल्कि भारतीय सिनेमा के ओजी खिलाड़ी हैं। हिंदी फिल्मों में अपने काम से छाप छोड़ने के अलावा उन्होंने तमिल, मराठी और पंजाबी इंडस्ट्री में भी शानदार काम किया है।**

अक्षय कुमार अब विष्णु मांचू की आगामी फिल्म कन्नप्पा के साथ अपना तेलुगु डेब्यू करने के लिए तैयार है। फैंटेसी नाटक में मोहनलाल और प्रभास भी विशेष कैमियो में हैं। खैर, बॉलीवुड के कई चहेते अभिनेता और भी हैं, जो तेलुगु सिनेमा में कदम रखकर साउथ के दर्शकों का दिल जीत चुके हैं।

### अमिताभ बच्चन

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन ने साल 2014 की तेलुगु फिल्म मनम में एक विशेष कैमियो भूमिका निभाई, जिसे अक्किनेनी परिवार द्वारा निर्मित किया गया था। उन्होंने एक अस्पताल के चेयरमैन की भूमिका निभाई थी। फैंटेसी ड्रामा फिल्म मनम में सामंथा रुथ प्रभु के साथ नागार्जुन के दिवंगत पिता अक्किनेनी नागेश्वर राव और उनके बेटे नागा चैतन्य भी हैं।

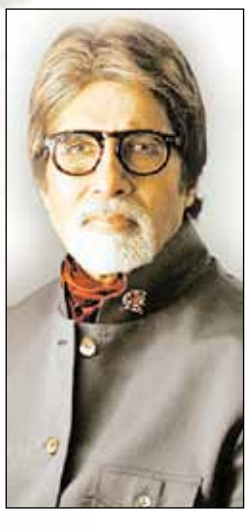

### सलमान खान

साल 2022 यादगार कैमियो का साल था, और उनमें से एक था बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान का। सुपरस्टार ने तेलुगु राजनीतिक एक्शन थ्रिलर गॉडफादर में मेगास्टार चिरंजीवी के साथ उनके दाहिने हाथ के रूप में काम किया। चिरंजीवी और सलमान के साथ के सीन ने दर्शकों को काफी लुभाया। सिनेमा के दो शानदार कलाकारों को एक फ्रेम में देखना फैंस के लिए किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं था।

### अजय देवगन

एसएस राजामौली की 2022 की ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर में, अजय देवगन ने राम चरण के ऑनस्क्रीन पिता अल्लूरी वेंकटराम राजू की भूमिका निभाई। विस्तारित कैमियो में अभिनेता ने साबित कर दिया कि किसी भी प्रोजेक्ट में उनका कम स्क्रीन टाइम उनके प्रभावशाली प्रदर्शन को कभी प्रभावित नहीं करेगा। देवगन ने अपने अविश्वसनीय काम से सबका दिल जीत लिया।

### नवाजुद्दीन सिद्दीकी

इस साल की शुरुआत में, बहुमुखी प्रतिभा के धनी अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने वेंकटेश दग्गुबाती अभिनीत सैंधव के साथ टॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने विकास मलिक नाम के एक मानसिक रोगी, क्रूर गैंगस्टर के रूप में दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी। सिद्दीकी का प्रदर्शन इस एक्शन थ्रिलर का प्रमुख आकर्षण था।